सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में -पेज: 7

राम माधवानी की स्पिरिचुअल ए शन थ्रिलर फिल्म में -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 223 | शनिवार 22 नवम्बर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

एसआईआर मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए है, बिहार ने देश में घुसपैठियों के खिलाफ जनादेश दिया : शाह

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार चुनाव में इखढ नीत राजग की जीत देश में घुसपैठियों के खिलाफ जनादेश है क्योंकि नागरिक कभी भी उन दलों का समर्थन नहीं करेंगे जो ऐसे अवैध प्रवासियों का समर्थन करते हैं। शाह ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में बने रहें। शाह ने एसआईआर को मतदाता सूची का श-ुद्धिकरण" बताया। वह गुजरात के कच्छ जिले के भुज में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हीरक जयंती (61वें स्थापना दिवस) समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ह्यह्यआज बीएसएफ देश की सभी सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में लगा हुआ है। घुसपैठ रोकना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित होने से बचाने के लिए भी

आवश्यक है।" उन्होंने कहा कि हालांकि, कुछ राजनीतिक दल सरकार के घुसपैठ विरोधी अभियान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्ष ने एसआईआर पर आपत्ति जताते हुए दावा किया है कि इससे लाखों मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। शाह ने कहा, ह्यह्यवे चुनाव आयोग द्वारा जारी एसआईआर और मतदाता सूची शु-द्धिकरण प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हम इस देश से हर एक घुसपैठिए को बाहर निकालेंगे। यह हमारा संकल्प है।" उन्होंने कहा, देश के किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा या प्रधानमंत्री कौन होगा, यह निर्णय केवल भारत के नागरिक ही ले सकते हैं। घुसपैठियों को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को दूषित करने

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार चुनाव में भाजपा नीत राजग की जीत देश में घुसपैठियों के खिलाफ जनादेश है क्योंकि नागरिक कभी भी उन दलों का समर्थन नहीं करेंगे जो ऐसे अवैध प्रवासियों का समर्थन करते हैं।

और हमारे लोकतांत्रिक निर्णयों को प्रभावित करने का कोई अधिकार नहीं है।" गृह मंत्री ने कहा कि एसआईआर भारत के लोकतंत्र को सुरक्षित और शुद्ध करने की एक प्रक्रिया है और हर नागरिक को इसका पूरा समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं उन राजनीतिक दलों को भी आगाह करना चाहता हूं जो इन घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। बिहार चुनाव देश की जनता का जनादेश था। और यह जनादेश हमारे देश में घुसपैठियों की मौजूदगी के खिलाफ है।" शाह ने कहा, मतदाता सूची में घुसपैठियों की जगह सुनिश्चित करने के लिए काम करने वाले दलों को पता होना चाहिए कि देश की जनता ऐसे इरादों का कभी समर्थन नहीं करेगी।" बीएसएफ के हीरक जयंती समारोह के दौरान शाह ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बल की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों की बदौलत भारत बहुत जल्द नक्सली समस्या से मुक्त हो जाएगा।

गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्की की कार्रवाई में गड़बड़ी, आरोपी की जगह दूसरे की संपत्ति कुर्क कर दी

फिरोजाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले की है, जहाँ गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्की की कार्रवाई में दो बड़ी प्रशासनिक और पुलिस की गलतियाँ सामने आईं। गैंगस्टर एक्ट के आरोपी अशोक कुमार पुत्र रामशरण निवासी शेखूपुर नैपई, थाना रामगढ़ की संपत्ति कुर्क करनी थी। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस ने गलती से गैंगस्टर के आरोपी की जगह, रामशरन यादव निवासी नगला मोती, थाना दक्षिण की किसान भूमि पर कुर्की का बोर्ड लगा दिया और संपत्ति को कुर्क कर दिया। गलती का पता चलने के बाद, पुलिस अब रामशरण यादव की संपत्ति को धारा 15/1 के तहत कार्रवाई से मुक्त करने और आरोपी अशोक कुमार की सही संपत्ति को कुर्क करने की तैयारी कर रही है। सीओ सिटी प्रवीन तिवारी ने बताया कि कुर्की की कार्रवाई उपनिबंधक सदर तहसील की रिपोर्ट के आधार पर की गई थी। गैंग लीडर गोल्डी उर्फ बबलू राठौर की 2 करोड़ 01 लाख 28 हजार पन्द्रह रुपये की अचल संपत्ति (जिसमें सुहागनगर, थाना दक्षिण स्थित मकान शामिल था) को कुर्क करना था। फरिहा पुलिस ने ढोल नगाड़े बजाकर गैंग लीडर गोल्डी उर्फ बबलू के बजाय, उनकी पत्नी के मकान को सील कर दिया। देर शाम जब गैंग लीडर की पत्नी कोर्ट से घर लौटीं और उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी गलती बताई, तो अधिकारी देर रात फिर मौके पर पहुँचे। अधिकारियों ने महिला के मकान की सील तोड़ी, बोर्ड हटाया, और फिर सामने स्थित सही मकान को सील करने की कार्रवाई की।

कोयला माफिया के खिलाफ ईडी का सख्त एक्शन, बंगाल और झारखंड में 40 जगह मारे छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोयला माफिया के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सख्त कार्रवाई की है। ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में कोयला माफियाओं के खिलाफ एक्शन लिया है। माफिया के खिलाफ पश्चिम बंगाल और झारखंड में 40 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापामारी की है। अधिकारियों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर, पुरुलिया, हावड़ा और कोलकाता जिलों में 24 परिसरों में अवैध कोयला खनन, अवैध परिवहन और कोयले के भंडारण मामले के संबंध में तलाशी ले रहा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, नरेंद्र खरका, अनिल गोयल, युधिष्ठिर घोष, कृष्ण मुरारी कयाल और अन्य के ठिकानों पर शुक्रवार सुबह से ईडी की छापेमारी चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी झारखंड में 18 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ये छापामारी कोयला चोरी और स्मगलिंग के कई बड़े मामलों से जुड़े हैं, जिसमें अनिल गोयल, संजय उद्योग, एलबी सिंह और अमर मंडल के मामले शामिल हैं। बता दें कि इन सभी मामलों को मिलाकर कोयले की बड़ी चोरी और चोरी शामिल है, जिससे सरकार को सैकड़ों करोड़ का भारी आर्थिक नुकसान नुकसान हुआ है।

संघ नेता के पोते की हत्या की साजिश विदेश में रची गई, कॉन्ट्रैक्ट किलर को दी सुपारी

फिरोजपुर (एजेंसी)। फिरोजपुर के मोची बाज़ार में आरएसएस नेता बलदेव कृष्ण अरोड़ा के पोते नवीन अरोड़ा की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि यह पूरी साजिश विदेश में बैठे एक व्यक्ति ने रची थी। उसने एक कॉन्ट्रैक्ट किलर को 65 हजार रुपए की सुपारी देकर हत्या की योजना बनाई। जांच में पता चला कि सुपारी देने वाले व्यक्ति ने 25 हजार रुपए नकद और 40 हजार रुपए हथियार खरीदने के लिए दिए थे। अब यह पता लगाया जा रहा है कि विदेश में बैठा यह मास्टरमाइंड कौन है और उसने नवीन को मरवाने की योजना क्यों बनाई। 15 नवंबर को हुए इस हत्याकांड में मुख्य आरोपी गुरसिमरन उर्फ़ जतिन उर्फ़ काला को पुलिस एनकाउंटर कर काबू कर चुकी है। पुलिस नाके पर रुकने के बजाय उसने गोलियां चला दीं जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उसकी टांग में तीन गोलियां लगीं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उकसे ठीक होने के बाद पूछताछ की जाएगी। इससे पहले पुलिस इस मामले में शामिल हर्ष और कनव को गिरफ्तार कर चुकी है। एसएसपी ने बताया कि घटना में फरार आरोपी बादल और उसके एक साथी की तलाश जारी है। पुलिस जल्द ही इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

न्यायिक अधिकारी फैसलों में घायल व्यक्तियों की चोट का उल्लेख जरुर करें : हाईकोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूरे प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों को निर्णयों में, घायल व्यक्तियों की चोट का आवश्यक रूप से उल्लेख करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति राजीव मिश्र और न्यायमूर्ति अजय कुमार की युलगपीठ ने सुनील कुमार यादव नामक एक व्यक्ति की अपील खारिज करते हुए कहा कि हमें यह देखकर दुख हुआ कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने अपने फैसले में मृतक के शव पर लगी चोट का उल्लेख नहीं किया है। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने 3 मार्च, 2002 और 3 मार्च, 1982 को जारी सर्कुलर में न्यायिक अधिकारियों को फैसलों में घायल व्यक्तियों की चोट का उल्लेख करने का स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था। हमें उम्मीद और विश्वास है कि सभी न्यायिक अधिकारी उक्त परिपत्र का अनुपालन करेंगे।

मुकेश सहनी की पार्टी के नेता की गोली मारकर हत्या

पटना (एजेंसी)। बिहार के पश्चिम चंपारण में सन ऑफ मल्लाह के नाम से मशहूर मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के नेता की हत्या की गई है। बाइक पर सवार बदमाशों ने उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया। मृतक कामेश्वर सहनी, 40 वर्ष प्रखंड अध्यक्ष के दायित्व में थे। मृतक का आपराधिक इतिहास है। नक्सली गतिविधियों में संलिप्तता भी रही है। जानकारी के मुताबिक छौडादानों प्रखंड अध्यक्ष की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कामेश्वर सहनी तिनकोनी गांव के निवासी थे। शुक्रवार सुबह घर शौच करने के बाद बाहर हाथ धो रहे थे। तभी दो बाइक से आए तीन हथियार बंद अपराधियों ने गोलियों से कामेश्वर को छलनी कर दिया। घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना से चीख पुकार मच गई। उनका खुद आपराधिक इतिहास रहा है। उनके विरुद्ध थाने में कई मामले दर्ज हैं। पूर्व में नक्सली गतिविधि में संलिप्तता रही है। हत्या की खबर फैलते ही गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर रक्सौल डीएसपी मनीष आनंद व कई थाने की पुलिस पहुंची। डॉग स्क्वायड टीम भी पहुंच जांच कर रही है। डीएसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस में इस्तीफों का दौर, महिला प्रदेश अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में महागठबंधन की करारी हार के बाद कांग्रेस में इस्तीफों का दौर शुरू हुआ है। कांग्रेस की महिला प्रदेश अध्यक्ष सरवत जहां फातमा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी आलाकमान पर टिकट बंटवारे में महिलाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर, बिहार चुनाव में हार के बाद कांग्रेस के नाराज गुट के नेताओं द्वारा भी पटना स्थित प्रदेश कार्यालय में धरना दिया जा रहा है।

महिला नेता फातमा ने कहा कि पार्टी ने चुनाव में टिकट बंटवारे में महिलाओं को सिर्फ 8 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया, जो कि बहुत ही दुखद है। उन्होंने कहा कि वे दो साल से ज्यादा समय से महिला अध्यक्ष के पद पर थीं। इस दौरान पार्टी के सभी महिला कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर जाकर मेहनत की। महिलाओं की आवाज को उठाकर संघर्ष किया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं को उम्मीद थी कि विधानसभा चुनाव में उन्हें टिकट मिलेगा। मगर ऐसा नहीं हुआ। सरवत ने कहा कि उनसे पहले बिहार की महिला कांग्रेस अध्यक्ष रहीं लीडर को चुनाव में टिकट दिए जाते रहे हैं। मगर उन्हें टिकट नहीं दिया गया।

पार्टी को मिली शर्मनाक हार के बाद कांग्रेस में विरोध के सुर तेज हो गए हैं। चुनाव के दौरान टिकट बंटवारे में गफलत का आरोप लगाकर प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ धरना देने वाले कांग्रेसियों ने फिर से प्रदर्शन शुरू कर दिया है। पार्टी के नाराज गुट के नेता प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु से इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं।

भाजपा सरकार आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति का राजनीतिकरण कर रही : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) ने रेखा गुप्ता सरकार और आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति की कार्रवाई पर निशाना साधा है। आप का आरोप है कि भाजपा सरकार आठवीं दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति का राजनीतिकरण कर रही है। आप के अनुसार, भाजपा सरकार कई विशेष बैठकें बुलाकर और फांसी घर मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़ला को नोटिस जारी करके दिल्ली के गहराते पर्यावरणीय संकट और चरमराती सार्वजनिक सेवाओं से जनता का ध्यान हटाने के लिए विधायी समितियों का इस्तेमाल कर रही है। आप ने कहा कि भाजपा विधायी समितियों को हथियार बना रही है।

आप ने विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही के मूल आधार पर ही सवाल उठाया

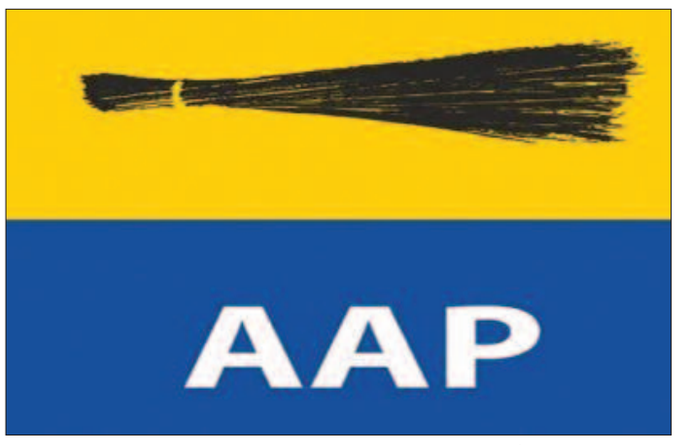

है। आप ने बताया कि समिति द्वारा उद्धृत घटना अगस्त 2022 में सातवीं विधानसभा के कार्यकाल के दौरान हुई थी, जिसे फरवरी 2025 में भंग कर दिया गया था। आप का तर्क है कि एक बार विधानसभा भंग हो जाने पर, उसके विशेषाधिकार और कार्यवाही समाप्त हो जाती है। इसलिए, आठवीं विधानसभा पिछले कार्यकाल से संबंधित मामलों पर विशेषाधिकार प्राप्त कार्रवाई शुरू या जारी नहीं रख सकती। आप ने अमरिंदर सिंह बनाम पंजाब विधानसभा (2010) मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देकर कहा कि विशेषाधिकार समिति की कार्रवाई कानूनी रूप से अस्थिर, प्रक्रियात्मक रूप से अस्थिर और पूरी तरह से राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है। आप ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि भाजपा सरकार ने दिल्ली के बढ़ते प्रदूषण संकट की अनदेखी करते हुए विशेषाधिकार समिति की विशेष बैठक बुलाई।

पार्टी ने चिंता व्यक्त की कि डॉक्टर अब सार्वजनिक रूप से परिवारों को सलाह दे रहे हैं कि छोटे बच्चे या बुजुर्ग सदस्य होने पर वे दिल्ली छोड़ दें। आप ने पूर्व एम्स निदेशक का हवाला देकर कहा कि दिल्ली में व्याप्त ज़हरीला धुआँ अब कोविड-19 से भी ज़्यादा मौतों का कारण बन रहा है, और सूक्ष्म कण हृदयाघात, स्ट्रोक, मनोभ्रंश और बांझपन का ख़तरा बढ़ा रहे हैं, जिससे बच्चों के फेफड़े सबसे ज़्यादा कमज़ोर हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कसा तंज बोले- पैसा बांटना वेलफेयर नहीं हो सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने चुनाव में नगदी बांटने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने तंज कसते कहा है कि इस तरह कैश बांटने को कोई वेलफेयर नहीं होता है। संविधान की भावना को इसके जरिए ही पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव में पैसा बांट देना कोई वेलफेयर नहीं है। दिल्ली में एक आयोजन को संबोधित करते हुए मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि अंतर समाप्त करने के लिए यह जरूरी है कि छोटे राज्यों का गठन किया जाए। ऐसा यह ध्यान रखते हुए किया जाए कि सभी राज्यों की आबादी लगभग बराबर हो और उनमें लोकसभा और विधानसभा की सीटें भी लगभग समान हों।

पूर्व चुनाव आयुक्त और पूर्व लॉ सेक्रेटरी जी कृष्णमूर्ति के 91वें जन्मदिन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को मुरली मनोहर जोशी संबोधित कर रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भले ही देश के हर नागरिक के पास वोट का समान अधिकार है, लेकिन यह भी ध्यान देने की जरूरत है कि कर्नाटक, बिहार और महाराष्ट्र

जैसे राज्यों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में किसी व्यक्ति की आर्थिक ताकत कितनी होती है? वह अपनी उस ताकत को बनाए रखने के लिए वोट डालता है। लेकिन जब हम रेगिस्तान, पहाड़ और पूर्वोत्तर में रह रहे लोगों की बात करते हैं तो उनकी आर्थिक स्थिति क्या रहती है।

मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर अन्य अधिकारों को प्रदान करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि यदि आर्थिक स्थिति और विकास में असमानता है तो यह भेदभाव जैसी स्थिति है। कल्याणकारी व्यवस्था का यह मतलब नहीं है कि चुनाव से पहले कैश का वितरण कर दिया जाए। आज लोग सवाल उठाते हैं कि चुनाव से पहले कैश बांटा जा रहा है। सरकार कहती है कि ऐसा वेलफेयर के लिए किया जा रहा है। लेकिन लोग कहते हैं कि ऐसा नहीं बल्कि आप वोट खरीदने के लिए पैसे बांटते हैं। मुरली मनोहर जोशी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब बिहार चुनाव से ठीक पहले नीतीश कुमार सरकार की ओर से महिलाओं को 10 हजार रुपये देने वाली स्कीम पर चर्चा चल रही है। पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री ने कहा कि संविधान हमें न्याय का अधिकार देता है। यह अधिकार हमें आर्थिक और राजनीतिक न्याय के लिए भी मिला है। उन्होंने कहा, राजनीतिक अधिकार की बात करें तो इसके लिए हमारे पास वोट का हक है। लेकिन इस वोट के अधिकार का तब तक अच्छे से इस्तेमाल नहीं हो सकता, जब तक कि आर्थिक न्याय न मिले। भीमराव आंबेडकर ने भी इस पर काफी बात कही थी। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह जरूरी है कि आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की समानता के लिए एक व्यवस्था बने। इसके लिए यह जरूरी है कि सभी इलाकों का विकास समान हो।

चुनावा आयोग को सुवेंदु ने पत्र लिखकर कहा- एसआईआई को निरंतरता बनाएं रखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता(ईएमएस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता, सुवेंदु अधिकारी ने मुख्य चुनाव आयुक्त(सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिख कर अनुरोध किया है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर का काम लगातार जारी रखना चाहिए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सीईसी ज्ञानेश कुमार को लिखे उस लेटर के बाद आया है, जिसमें राज्य में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को तुरंत रोकने की मांग की गई थी। अपने लेटर में, सुवेंदु अधिकारी ने सीईसी को लिखे ममता बनर्जी के लेटर के दावों को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि एसआईआर को पश्चिम बंगाल में बिना प्लान के, अस्त-व्यस्त और खतरनाक तरीके से थोपा गया, जिससे आम लोगों में घबराहट पैदा हुई और चुनाव अधिकारियों, खासकर बूथ-लेवल अधिकारियों (बीएलओ), पर बहुत ज्यादा काम का बोझ पड़ा है।

सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि सीईसी को ममता बनर्जी का लेटर एसआईआर के जरिए वोटर लिस्ट को साफ करने के अभियान को रोकने की एक बेताब कोशिश थी और उनके लेटर का कंटेंट पॉलिटिकली मोटिवेटेड और असल में बोगस था। उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया को रोकने के लिए सीईसी को लेटर भेजने का मुख्यमंत्री का कदम असली वोटरों को बचाने के लिए नहीं था, बल्कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के रूप में बोगस वोटरों को बचाने की एक पैनिक से भरी कोशिश थी, जो वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल करवाने में कामयाब रहे। इससे पहले गुरुवार को, सुवेंदु अधिकारी ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि राज्य में बीएलओ पर दबाव एसआईआर से जुड़े काम के बोझ की

वजह से नहीं है, जैसा कि मुख्यमंत्री बनर्जी ने दावा किया है, बल्कि डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और डिस्ट्रिक्ट इलेक्टोरल ऑफिसर की तरफ से उन पर रिवीजन एक्सरसाइज के संबंध में गलत तरीकों का सहारा लेने के लिए बेवजह दबाव की वजह से है। सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पूर्वी मिदनापुर, हुगली और पूर्वी बर्दवान जैसे जिलों में, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और डिस्ट्रिक्ट इलेक्टोरल ऑफिसर भी बूथ-लेवल अधिकारियों पर अपने ऑफिशियल ओटीपी या तो डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के साथ या डेटा एंट्री ऑपरेटर के तौर पर नियुक्त सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ शेयर करने का दबाव डालकर फुल-टाइम तृणमूल कांग्रेस के चुनाव एजेंट के तौर पर काम कर रहे थे।

आउंट आबू के आसमान में घूम रहे एलियन की भारतीय वैज्ञानिकों ने बताई हकीकत

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय वैज्ञानिकों ने उन अटकलों को विराम लगा दिया जिसमें कहा जा रहा था कि आसमान में एलियन के जहाज उड़ रहे हैं। भारतीय और अमेरिकी वैज्ञानिकों ने इंटरस्टेलर वस्तु 31/एटलस की ताजा तस्वीरें जारी की हैं। इसी के साथ वैज्ञानिकों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यह एक सामान्य धूमकेतु है, न कि कोई 'एलियन स्पेसशिप। इससे पहले कुछ खगोलविदों ने अनुमान लगाया था कि ये चमकती चीज एलियन का जहाज हो सकती है। अहमदाबाद स्थित फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (पीआरएल) के वैज्ञानिकों ने 12 से 15 नवंबर के बीच इस इंटरस्टेलर धूमकेतु का अवलोकन किया और इसकी खास तस्वीरें कैद कीं। इसी के साथ बुधवार को नासा ने भी 31/एटलस की नई तस्वीरें जारी कीं और विदेशी जीवन की किसी भी संभावना को पूरी तरह से खारिज कर दिया।

पीआरएल के विश्लेषण के अनुसार, 31/एटलस में प्रमुख गैसीय उत्सर्जनों की उत्पादन गति लगभग 10 अणु/सेकंड रही, जो इसे सौरमंडल के 'टिपिकल धूमकेतुओं'की श्रेणी में रखती है। 31/एटलस फिलहाल भीतरी सौरमंडल को छोड़कर बाहर की ओर बढ़ रहा है। भारतीय वैज्ञानिकों ने बताया कि जैसे-जैसे यह रात्रि आकाश के गहरे हिस्से में पहुंचेगा, इसके और अवलोकन किए जाएंगे।

इसरो के अनुसार, पीआरएल के वैज्ञानिकों ने माउंट आबू में 1.2-मीटर टेलीस्कोप (ऊंचाई 1680 मीटर) की मदद से 31/ एटलस को इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक मोड में देखा। तस्वीरों में धूमकेतु का एक लगभग गोलाकार कोमा दिखाई देता है। कोमा वह चमकीला वातावरण है जो धूमकेतु के नाभिक के आसपास बनता है, जब सूर्य की गर्मी से उसकी बर्फीली सतह गैस और धूल में बदलकर फैलने लगती है। वैज्ञानिकों ने धूमकेतु के प्रकाश का स्पेक्ट्रम भी रिकॉर्ड किया है। नासा की विज्ञान मिशन निदेशालय की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर निकोल फॉक्स ने कहा कि यह बिल्कुल धूमकेतु जैसा ही व्यवहार कर रहा है। हमें अब तक कोई भी ऐसा तकनीकी संकेत नहीं मिला जो यह सुझाए कि यह किसी एलियन जहाज का हिस्सा है। उन्होंने इसे हमारे सौरमंडल का दोस्ताना मेहमान कहा। नासा के एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर अमित क्षत्रिया ने भी पुष्टि करते हुए कहा कि यह दिखने और व्यवहार, दोनों में एक धूमकेतु है। सभी वैज्ञानिक साक्ष्य इसी ओर इशारा करते हैं। नासा ने बताया कि 31/एटलस का अध्ययन हबल, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप, तथा मंगल की कक्षा में घूम रहे सैटेलाइट सहित एक दर्जन से अधिक वैज्ञानिक प्लेटफॉर्म पर किया गया है।

संपादकीय

इस बार भी नीतीश सरकार

पटना (बिहार) का 'गांधी मैदान' एक बार फिर ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी बना। राज्य में भाजपा-एनडीए सरकार ने शपथ ग्रहण की। नीतीश कुमार लगातार 10वीं बार मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 7वीं, 8वीं, 9वीं बार मुख्यमंत्री पद ग्रहण करने के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीते 19 साल 2 माह से मुख्यमंत्री पद पर हैं। भाजपा के सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को उपमुख्यमंत्री पद पर यथावत रखा गया है। कमोबेश यह दलबदल और अनिश्चित राजनीति के दौर का कीर्तिमान है। नई विधानसभा में भाजपा 89 सीटों के साथ जनता दल-यू के 85 विधायकों से आगे है। फिलहाल भाजपा के 14, जद-यू के 8, लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के 2 और हम-राष्ट्रीय लोक मोर्चा के 1-1 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण की है। भाजपा के 9 नए चेहरे मंत्री बनाए गए हैं। कुल 243 विधायकों में से 202 भाजपा-एनडीए के जीते हैं। जिस विपक्ष ने नीतीश कुमार की उम्र और उनके मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर भद्दी टिप्पणियां की थीं, उनमें राजद 25 सीट पर ही सिमट चुका है और कथित राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के हिस्से मात्र 6 सीट आई हैं। दरअसल इस बार भाजपा-एनडीए का जनादेश चुनौतीहीन है। नीतीश कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में देश के प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा, एक दर्जन मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे। यह एनडीए का शक्ति-प्रदर्शन भी था और जनादेश की व्यापकता भी थी कि देश के 60 फीसदी से अधिक इलाके पर भाजपा-एनडीए का शासन है। अब भाजपा के विधायकों की कुल संख्या 1654 और एनडीए के विधायकों का आंकड़ा 2300 से अधिक है। जश्न, उल्लास और उत्साह वाकई चरम पर था। बेशक यह भाजपा-एनडीए की लोकतांत्रिक स्वीकार्यता भी है। बहरहाल नीतीश सरकार के बनते ही बिहार में चुनाव का दौर सम्पन्न हो गया, लेकिन सरकार के सामने वायदों की चुनौतियां असंख्य हैं। जिम्मेदारियां हिमालय-सी हैं। बिहार सरकार को यथाशीघ्र 28, 000 करोड़ रुपए की दरकार है, ताकि वायदों को निभाने की शुरूआत की जा सके। 'जनसुराज पार्टी' के संस्थापक प्रशांत किशोर, बेशक, चुनाव हार गए, हिस्से में 'बड़ा शून्य' आया, लेकिन उनके आरोप बेहद अहम हैं कि भाजपा-एनडीए ने 29, 000 करोड़ रुपए महिलाओं में बांटे और इस तरह उनके वोट खरीदे गए। इस बार बिहार में 71.78 फीसदी महिलाओं ने वोट दिए और पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने 4 लाख से अधिक वोट डाले। यही भाजपा-एनडीए जनादेश की बुनियाद साबित हुई। प्रशांत का आरोप यह भी है कि नीतीश कुमार ने 40, 000 करोड़ रुपए के वायदे भी किए हैं। उनमें महिलाओं को 2-2 लाख रुपए मुहैया कराने का भी वायदा है।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है।

कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं।

तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वैश्विक व्यापार में रुपये की नई दस्तक

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत आज उभरती वैश्विक अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण केंद्र बन रहा है और इसी आकांक्षा के साथ वह अपनी मुद्रा-भारतीय रुपये-को अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में अधिक स्वीकार्य बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रहा है। बदलते भू-राजनीतिक वातावरण, डॉलर-निर्भरता से जुड़ी अनिश्चितताओं तथा बहुध्रुवीय आर्थिक व्यवस्था के उभार ने यह अवसर प्रदान किया है कि भारत क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार में रुपये के उपयोग को बढ़ाए। इसी संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली की शुरूआत और इसे अनेक देशों के साथ लागू करने की कोशिश रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने वाली निर्णायक पहल बनकर उभरी है।

रुपये के प्रसार के पीछे कई प्रेरक कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना है, क्योंकि डॉलर आधारित भुगतान तंत्र अनेक बार राजनीतिक तनाव, प्रतिबंधों और वैश्विक वित्तीय अस्थिरता के समय जोखिम पैदा करता है। रूसझयूक्रेन संघर्ष के बाद भारत ने अनुभव किया कि डॉलर आधारित तंत्र के कारण कई लेनदेन बाधित हो जाते हैं और व्यापार प्रभावित होता है। यदि व्यापार सीधे स्थानीय मुद्राओं में हो, तो भुगतान अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकता है तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर भी अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। साथ ही, कई देश अब अपने व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के प्रयोग की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे डॉलर-केंद्रित व्यवस्था धीरे-धीरे परिवर्तित हो रही है। भारत भी इस परिवर्तनशील प्रवृत्ति का स्वाभाविक हिस्सा है।

भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और बढ़ते व्यापारिक संबंध भी रुपये-आधारित निपटान की आवश्यकता को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, भारतझरूस व्यापार पिछले दो दशकों में कई गुना बढ़ा है, परन्तु इस व्यापार में रुपये का उपयोग सीमित है। मुद्रा-आधारित विकल्प बढ़ने से न केवल व्यापार गति पकड़ता है बल्कि भारतीय निर्यातकों को विनिमय दर के उतारझचढ़ाव और हेजिंग लागत से भी राहत मिलती है। दीर्घकाल में वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य मुद्रा भारत की आर्थिक शक्ति और राजनीतिक प्रभाव का संकेत भी बनती है। भारत के 30 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 1 खरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की दिशा में यह एक अनिवार्य कदम माना जा रहा है।

हालाँकि, रुपये के वैश्वीकरण के मार्ग में कई चुनौतियाँ भी हैं। अनेक देशों को अभी भी डॉलर या अपनी स्थानीय मुद्रा अधिक स्थिर विकल्प लगती है। कुछ देशों को रुपये की विनिमय दर की स्थिरता पर भरोसा कम है। व्यापारिक साझेदारों के साथ मूल्य-वृद्धि आधारित वस्तुओं का आदानझप्रदान सीमित होने से भी रुपये के व्यापक प्रयोग की संभावना घटती है। भारतीय निर्यातकों में भी रुपये आधारित निपटान के प्रति जागरूकता कम है, जिसके कारण वे इस विकल्प का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। अंतरराष्ट्रीय भुगतान और संदेश प्रणाली की सीमित परस्पर संपर्कता भी रुपये की स्वीकार्यता को धीमा करती है, क्योंकि अभी भी बड़ी संख्या में देश पारंपरिक वैश्वीकरण संदेश तंत्र पर निर्भर हैं।

इन चुनौतियों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक की स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा बदलाव लेकर आई है। इस प्रणाली के अंतर्गत भारत अब संयुक्त रूप से सहमत देशों के साथ सीधे रुपये में व्यापार कर सकता है। संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, मॉरीशस और मालदीव के साथ हुए समझौते इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार सुगम होगा बल्कि बैंकिंग लागत और भुगतान समय में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त भारतीय रिजर्व बैंक ने पड़ोसी देशों के बैंक एवं नागरिकों को रुपये में ऋण देने की अनुमति देकर नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे देशों में रुपये के उपयोग को बढ़ावा दिया है।

भारत ने अपने त्वरित भुगतान तंत्र को कई देशों से जोड़कर एक नई वित्तीय संपर्क व्यवस्था विकसित की है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ त्वरित भुगतान तंत्र का जुड़ना छोटे व्यापारियों, पर्यटकों और प्रवासी भारतीयों के लिए तत्काल भुगतान को सरल बनाता है, जिससे रुपये की उपयोगिता और स्वीकार्यता दोनों बढ़ती हैं। इसके साथ ही भारत अपनी वित्तीय संदेश प्रणाली को भी साझेदार देशों की प्रणालियों से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिससे परंपरागत वैश्विक संदेश तंत्र पर निर्भरता कम होगी। यह व्यवस्था भुगतान प्रक्रिया को राजनीतिक तनावों से सुरक्षित रखेगी और रुपये की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

समग्र रूप से रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक आकांक्षा का आधार है। स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली, डिजिटल भुगतान संपर्क, द्विपक्षीय वित्तीय संवाद और निर्यातकों की जागरूकता-ये सभी घटक मिलकर रुपये को वैश्विक व्यापार में अधिक उपयोगी और स्वीकृत मुद्रा बना सकते हैं। चुनौतियाँ अवश्य हैं, परंतु बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत के पास अवसर भी विशाल है। यदि भारत अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ आपूर्ति श्रृंखला को गहरा करे, भुगतान तंत्र को सरल बनाए और रुपये की स्थिरता को मजबूत करे, तो आने वाले वर्षों में रुपये की वैश्विक भूमिका निश्चित रूप से विस्तार पाएगी।

नाकाम करना होगा आतंक का खतरनाक षडयंत्र

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में दहशतगर्द लगातार पंख फैलाने की फिराक में है। दिल्ली का कार ब्लास्ट आतंकी हमला घोषित हो चुका है। इसके पीछे पाकिस्तानी आतंकी संगठन की संलिप्तता भी उजागर हो गई है। ऐसे में केंद्र सरकार के उस बयान की खूब चर्चा हो रही, जिसमें कहा गया था कि भारत के खिलाफ कोई भी आतंकी हमला एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा। भारत फिर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करेगा। लोगों में यह भी चर्चा है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर फिर शुरू करेगा तो पाकिस्तान के साथ कौन देश खड़े होंगे।

आपको पता रहे मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का साथ चीन और तुर्की ने दिया था। चीन लंबे समय से भारत विरोधी हरकते कर रहा। वहीं, भारत द्वारा हमेशा मदद किए जाने के बावजूद तुर्की विरोध में खड़ा हो रहा।करीब दो साल से लगातार अलग-अलग तरह के धमकी भरे हजार से अधिक ईमेल मिल चुके हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां हर बार तकनीकी जांच के बाद फर्जी घोषित कर देती हैं। स्कूल, कॉलेज, सचिवालय, अदालत ऐसी कोई जगह नहीं बची है, जिसे बम से उड़ाने की धमकी न मिली हो। अधिकांश मामलों में ये ईमेल वीपीएन व डार्क वेब के जरिए भेजे जाते हैं, जिससे लोकेशन विदेश की दिखती है, लेकिन वास्तविक स्रोत तक पहुंच पाना पुलिस के लिए चुनौती बन जाता है।

आतंकी संगठनों की हरकतें बता रहीं हैं कि दिल्ली धमाका तो सिर्फ ट्रेलर था। पाकिस्तान का आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद भारत के खिलाफ फिदायीन अटैक को लेकर ब्लू प्रिंट कर चुका है।

हर बार जांच में कुछ ठोस नहीं मिल पाता, लेकिन अब जब देशभर में आतंकी नेटवर्क की गतिविधियां सामने आ रही हैं और कई हमलों की साजिशें उजागर हुई हैं, तो इन पुराने मामलों का संदर्भ बेहद अहम हो गया है। जिस तरह बार-बार ये धमकी ईमेल अलग-अलग स्थानों को टारगेट करते हुए भेजे जा रहे थे, यह संभव है कि वे सिर्फ फर्जी नहीं थे, बल्कि किसी बड़ी आतंकी साजिश का संकेत दे रहे थे।

आतंकी हमले के बाद अब मंगलवार सुबह चार प्रमुख जिला अदालतों साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी कोर्ट के साथ-साथ दो सीआरपीएफ स्कूलों को जैश-ए-मोहम्मद के नाम से बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। आनन-फानन में इमारतें खाली कराई गईं और सूचना पर पहुंचा बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), स्निफर डॉग और फारेंसिक टीमों ने सर्च अभियान शुरू किया।

काफी तलाश के बाद जब कुछ संदिग्ध नहीं मिला तो इसे हक्स मेल करार दिया गया। वहीं पटियाला हाउस कोर्ट में धमकी भरा मेल ऐसे वक्त आया, जब थोड़ी देर बाद बम धमाके के आरोपित व साजिशकर्ता जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश की पेशी होने वाली थी। एनआइए की टीम आरोपित को पेश करने जा रही थी, उससे पहले कोर्ट के बाहर आरएएफ तैनात कर दी गई थी।

लाल किला ब्लास्ट की जांच में एजेंसियों को पता चला है कि फिदायीन तयअटैक का ब्लू प्रिंट पाकिस्तान में इसी साल तैयार हुआ था। जैश की मंशा है कि बेशक यह पहला सुसाइड बॉम्बर है, लेकिन आखिरी नहीं। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों की मानें तो जैश ए मोहम्मद ने टेरर फंडिंग और जिहाद के लिए डिजिटल कोर्स लॉन्च किया है। सूत्रों ने बताया कि भारत के खिलाफ फिदायीन दस्ता तैयार करने को जैश-ए-मोहम्मद बड़े पैमाने पर हवाला के जरिए फंड जुटा रहा है।

एजेंसियों को इस संबंध में बेहद चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी है। लाल किला ब्लास्ट से 15 दिन पहले अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद ने तुहफत उल मोमिनात नाम से एक ऑनलाइन कोर्स शुरू किया था। यह कोर्स खास तौर से महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस ऑनलाइन कोर्स का मकसद मजहबी और जिहादी ट्रेनिंग देने के साथ-साथ संगठन की गतिविधियों के लिए पैसे जुटाना है।

जैश ए मोहम्मद के टॉप कमांडरों की महिला रिश्तेदारों पर इस ऑनलाइन कोर्स का जिम्मा है। जिनमें मसूद अजहर की बहनें सादिया अजहर, समीरा अजहर और शिया अजहर है। इस कोर्स का प्रचार पहले से ही जैश के इंटरनल टेलीग्राम और वाट्सऐप ग्रुप के साथ-साथ दूसरे कट्टरपंथी प्लेटफॉर्म पर गुपचुप किया जा चुका है। सूत्रों का कहना है कि इस कोर्स में एडमिशन के लिए महिलाओं से 700 पाकिस्तानी करेंसी ली जा रही है। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि तुहफत-उल-मोमिन वाट्सऐप, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म मदरसों के रूप में काम कर रहे हैं।लाल किला के पास हुए फिदायीन हमले की जांच में एजेंसियों ने मंगलवार को एक संदिग्ध बांग्लादेशी एबीटी सदस्य इख्तियार को पकड़ा है। सूत्रों ने बताया कि जांच का फोकस भारत-बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों मालदा, मुर्शिदाबाद पर है। जिसके बारे में इनपुट मिला था कि लश्कर ए तैयबा के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कुछ कट्टरपंथी ग्रुप संपर्क में हैं। पकड़े गए कथित बांग्लादेशी एबीटी मेंबर से पूछताछ चल रही है। जांच ऐजेंसी लाल किले के पास हुए आतंकी हमले में बांग्लादेश कनेक्शन की पुष्टि करने में जुटी हैं।पकड़े गए संदिग्ध का प्रतिबंधित संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) से जुड़े होने का शक है। जांच ऐजेंसी से जुड़े सूत्र का कहना है कि संदिग्ध इख्तियार एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। जिसने विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में मदद की है। एजेंसियों का मानना है कि इस संदिग्ध का साजिश में बॉर्डर पार से लिंक है। पांच दिन पहले जांच एजेंसियों को पता चला था कि बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों और लश्कर ए तैयबा के बीच ऑनलाइन विडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग हुई थी। इसमें एलईटी का टॉप कमांडर सैफुल्लाह सैफ और बांग्लादेशी सरकारी अधिकारी शामिल हुए थे।

आपको बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद तुर्की ने किस तरह से भारत से दुश्मनी निभाई, यह दुनिया देख चुकी है। अब दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाकों का भी कनेक्शन भारत के लिए दूसरे पाकिस्तान के तौर पर उभरते इसी मुल्क से जुड़ रहा है। दरअसल, इस वारदात के मुख्य संदिग्ध डॉ मोहम्मद उमर उर्फ उमर उन नबी और फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़े एक और संदिग्ध डॉ मुजम्मिल शकील के पासपोर्ट से उनके तुर्की की यात्रा का संकेत मिल रहे हैं और यह भी पता चल रहा है कि उन्हें वहीं से भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देने का फरमान मिल रहा था।जाहिर है भारत को मजहब के आधार पर मिल रही विदेशी साजिश को भी नेस्तनाबूद करना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बिहार विधानसभा चुनाव दे रहे हैं कुछ संकेत

हाल ही में सम्पन्न हुए बिहार राज्य की विधान सभा के चुनाव परिणाम आ गए हैं एवं भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई है। कुल 243 विधायकों में से एनडीए गठबंधन के 202 प्रत्याशी चुनाव जीत कर विधायक बन गए हैं। विधान सभा स्तर के किसी भी चुनाव में सामान्यतः राज्य स्तर की स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखकर ही राज्य के नागरिक अपना वोट देते हैं। परंतु, हाल ही के समय में कई राज्यों के चुनावों में स्थानीय नागरिकों के बीच यह प्रवृत्ति घर करती जा रही है कि जो राष्ट्रीय अथवा स्थानीय दल उन्हें मुफ्त की आकर्षक योजनाएं प्रस्तुत कर रिझाने का प्रयास करता है, उस दल को उस राज्य में अधिक सफलता मिलती हुई दिखाई दे रही है। इस प्रवृत्ति का स्पष्ट संकेत दिल्ली राज्य में वर्ष 2013 में सम्पन्न हुए राज्य विधानसभा के चुनावों में, केवल एक वर्ष पूर्व गठित नए दल, आम आदमी पार्टी के इस विधान सभा चुनाव में 28 सीटों की जीत पर दिखाई दिया था। उस समय आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के समर्थन से अपनी सरकार बनाई थी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली निवासियों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का वायदा इन चुनावों के दौरान किया था, जिसे बाद में पूरा भी किया गया था। इसके बाद तो दिल्ली विधान सभा चुनाव में वर्ष 2025 तक आम आदमी पार्टी का ही लगभग पूर्ण कब्जा रहा, क्योंकि मुफ्त में प्रदान की जाने वाली इसी प्रकार की कुछ और घोषणाओं को भी आम आदमी पार्टी समय समय पर लागू करती रही और दिल्ली के पढ़े लिखे नागरिकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रही। हालांकि, इस बीच दिल्ली की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती रही और दिल्ली का 'बचत का बजट' - 'घाटे के बजट' में परिवर्तित हो गया था।

इसके बाद तो लगभग प्रत्येक राज्य में इस प्रकार का दौर ही चल पड़ा। हिमाचल प्रदेश राज्य में कांग्रेस, सेवा निवृत्त कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करने के वादा, राज्य की प्रत्येक वयस्क महिला को 1500 रुपए देने का वादा एवं प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर वर्ष 2022 में सत्ता में आ गई। बाद में जब पुरानी पेंशन योजना को हिमाचल प्रदेश में लागू किया गया तो हिमाचल प्रदेश के पहिले से ही दबाव में चल रहे बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ा एवं राज्य की आर्थिक स्थिति लगभग पूर्णतः डावांडोल हो गई है एवं राज्य को अपने ऋण पर ब्याज का भुगतान करने एवं राज्य के सामान्य खर्चों को चलाने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है।

इसी चलन को कायम रखते हुए हाल ही में सम्पन्न बिहार राज्य में भी विधान सभा चुनाव के समय श्री नीतीश कुमार की राज्य सरकार ने राज्य की 1.21 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 रुपए की राशि सीधे जमा करवाई है। मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना की घोषणा 29 अगस्त 2025 को की गई थी एवं केवल एक माह के अंदर इस योजना को लागू कर दिया गया तथा राज्य की महिलाओं के बैंक खातों में राशि हस्तांतरित कर दी गई। हालांकि, राज्य में लागू की गई इस योजना को महिला सशक्तिकरण की सबसे बड़ी पहल के रूप में देखा गया क्योंकि राज्य सरकार द्वारा इस योजना को लागू करने का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना एवं रोजगार के नए अवसर निर्मित करना था। ऐसा बताया गया है कि राज्य की कुछ महिलाओं ने इस राशि से अपनी छोटी छोटी उत्पादन इकाईयों को प्रारम्भ करने में सफलता पाई है। राज्य के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि बिहार सरकार उन महिलाओं को रुपए 2 लाख तक की सहायता राशि उपलब्ध कराएगी जिनका व्यवसाय सफल रहेगा, इस छोटे निवेश से पूरा परिवार लाभान्वित होगा। बिहार राज्य में लगभग 1.40 करोड़ जीविका दीदियां स्व सहायता समूहों के माध्यम से सक्रिय हैं। आज देश के सबसे बड़े राज्यों में बिहार राज्य में गरीब वर्ग के नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं बिहार राज्य के नागरिक रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से सबसे अधिक पलायन करते हुए दिखाई देते हैं। पूर्व में उत्तर प्रदेश राज्य की भी लगभग यही स्थिति थी, परंतु, हाल ही के समय में उत्तर प्रदेश राज्य में रोजगार के पर्याप्त नए अवसर निर्मित हुए हैं जिससे इस राज्य में नागरिकों का रोजगार के लिए पलायन रुका है। यदि बिहार राज्य भी अपने नागरिकों का पलायन रोकने में सफल रहता है एवं अपने राज्य के नागरिकों के लिए पर्याप्त मात्रा में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने में सफलता प्राप्त करता है तो यह देश के आर्थिक विकास को भी गति देने में सहायक होगा। परंतु, लाख टके का प्रश्न यह है कि क्या बिहार सरकार की आर्थिक स्थिति उक्त प्रकार की योजनाओं को चलाने की स्थिति में है?

इसी प्रकार, मध्य प्रदेश राज्य भी लाड़ली बहिना योजना को लागू कर चुका है एवं इसी तर्ज पर हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, आदि राज्यों में भी नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजनाएं प्रारम्भ की गई। तमिलनाडु में तो मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराने का पुराना इतिहास रहा है। कुछ राज्यों में तो टीवी, लैपटॉप, स्कूटी, साइकल, आदि जैसे महंगे उत्पाद भी चुनावों के समस्त राज्य के नागरिकों को मुफ्त में उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। विभिन्न राज्यों द्वारा यदि चुनाव जीतने के लिए राज्य के नागरिकों को मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का क्रम यदि जारी रहता है तो यह प्रचलन इन राज्यों एवं देश के लिए उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आज सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं।

अब यदि चुनाव जीतने के लिए विभिन्न राज्य सरकारें क्या इसी तरह की योजनाओं को लागू करती रहेंगी। यदि हां, तो इन राज्यों को अपने दिवालिया होने के लिए बहुत लम्बा इन्तजार नहीं करना होगा। क्योंकि, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि विशेष रूप से पंजाब, केरल, पश्चिमी बंगाल, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। यदि समय पर इन राज्यों के आर्थिक ढांचे को सुधारने के प्रयास नहीं किया गए तो यह राज्य दिवालिया होने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, समय समय पर केंद्र सरकार द्वारा सहायता की राशि उपलब्ध कराकर कई राज्यों की वित्तीय कठिनाईयों को हल करने का प्रयास किया जाता है परंतु, केंद्र सरकार भी लम्बे समय तक यह कार्य नहीं कर सकती है क्योंकि अंततः इससे केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर भी दबाव बनता है।

विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृत्ति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा आगे बढ़कर इस सम्बंध में कुछ नियम जरूर बनाए जाने चाहिए। यदि इन राज्यों की वित्तीय स्थिति लोक लुभावन घोषणाओं को पूरा करने की नहीं है तो, इस प्रकार की घोषणाएं चिन्हित राज्यों द्वारा नहीं की जानी चाहिए, ऐसे नियम बनाए जाने चाहिए। सहायता की राशि केवल चिन्हित व्यक्तियों को ही प्रदान की जानी चाहिए न कि राज्य की पूरी जनता को उपलब्ध करायी जाय। जैसा कि बिजली माफी योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। राज्य के समस्त परिवारों को 300/400 यूनिट बिजली मुफ़्त में उपलब्ध कराए जाने के प्रयास हो रहे हैं। यदि राज्य की आर्थिक हालत बिगड़ रही है तो इसका खामियाजा भी अंततः उस प्रदेश की जनता को ही भुगतना पड़ता है। यह राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आदि मदों पर होने वाले खर्च में कटौती करते हैं, जो राज्य के आर्थिक विकास एवं भविष्य में आने वाली पीढ़ी के लिए ठीक नहीं है। राज्य में आर्थिक विकास की गति कम होने से इन राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे है।

यातायात माह एवं मिशन शक्ति के अन्तर्गत पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम एवं खेल प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में यातायात माह नवंबर 2025 एवं मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत गुरुवार को थाना आदमपुर पुलिस द्वारा शंभू इंटर कॉलेज, आदमपुर में विस्तृत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना पुलिस टीम द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों एवं संकेतों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को हेलमेट, सीटबेल्ट, गति नियंत्रण, पैदल यात्री नियम, ओवरलोडिंग, स्टंट ड्राइविंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जागरूक किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी/लिंक शेयरिंग के खतरों तथा नए आपराधिक कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य संहिता) के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में भी सरल भाषा में जानकारी प्रदान की गई, ताकि वे स्वयं सतर्क रहें और दूसरों को भी जागरूक कर सकें। विद्यालय परिसर में कबड्डी प्रतियोगिता एवं खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन भी पुलिस की ओर से किया गया। प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया। विजेता टीमों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया तथा सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। अमरोहा पुलिस द्वारा जनपद में इसी प्रकार यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं खेलों को बढ़ावा देने हेतु अभियान निरंतर आगे भी जारी रहेंगे।

यातायात पुलिसकर्मी को जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

बबराला/ सम्भल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल के निर्देश पर जिले में कानून-व्यवस्था व अपराधियों पर सख्ती से अंकुश लगाने के चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बबराला पुलिस ने सफलता हासिल की है।19 नवंबर को थाना बबराला क्षेत्र के इन्द्रा चौक पर ड्यूटी कर रहे हेड कांस्टेबल विकास कुमार (तैनात यातायात पुलिस, जनपद सम्भल) को एक ईको वाहन चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए जानबूझकर टक्कर मारने की कोशिश की थी। इतना ही नहीं, आरोपी ने पुलिसकर्मी को गाली-गलौच देते हुए सरकारी कार्य में बाधा डाली और जान से मारने की धमकी भी दी थी। इस घटना की तहरीर उपनिरीक्षक दुष्यंत बालियान, प्रभारी यातायात पुलिस सम्भल द्वारा थाना बबराला में दी गई थी, जिसके आधार पर तत्काल मुकदमा पंजीकृत किया गया था।मुकदमे में वांछित चल रहे मुख्य आरोपी भुवनेश पुत्र राजेंद्र शर्मा, निवासी ग्राम धनीपुर, थाना जुनावई, जनपद सम्भल को 21 नवंबर को थाना बबराला पुलिस टीम ने नूरपुर तिराहा से दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता का संदेश गया है। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

सीडीओ की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों एवं योजनाओं की बैठक हुई सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम और जनपद में निमार्णाधीन 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर फीड होने वाले समस्त आंकड़ों को समयबद्ध एवं सटीक रूप में अपडेट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। सीडीओ ने कहा कि विकास एवं निर्माण कार्यों को समय से पूरा कराया जाए। इसके साथ ही सभी कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों की परियोजनावार समीक्षा कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। इसी के साथ पूर्ण परियोजनाओं को सीएमआईएस पोर्टल पर भी अपलोड किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाएं कार्य को प्राथमिकता दें और तेजी लाकर उसे पूर्ण करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्य में मानकों का पूर्ण ध्यान रखा जाए, कोई लापरवाही न हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। इसके साथ उन्होंने बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग की योजना एवं परियोजनाओं, राष्ट्रीय वृद्धावस्था योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मिशन शक्ति फेज 5, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजना एवं कृषि विभाग की योजना एवं परियोजनाओं सहित कैच द रैन अभियान की विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय नोडल अधिकारी ने जल शक्ति अभियान के अंतर्गत की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के कलेक्ट्रेट सभागार में कैच द रेन अभियान के अंतर्गत केंद्रीय नोडल अधिकारी जल शक्ति अभियान भारत सरकार और संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार अमित शुक्ला की अध्यक्षता और ज़िलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार और समस्त संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सर्वप्रथम सयुंक्त सचिव महोदय द्वारा कैच द रेन अभियान के पोर्टल जल संचय जन भागीदारी पोर्टल की समीक्षा की गई एवं सभी शासकीय भवनों को चिह्नित कर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराया जाये। जिला पंचायत राज विभाग को भी निर्देश दिए गए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में ज्यादा से ज्यादा सोक पिट निर्माण कार्य किया जाये । उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त संबंधित विभाग मिलकर डिस्ट्रिक्ट रिचार्ज प्लान तैयार करे एवं स्वयं से संबंधित पूर्ण कार्यो को जल संचय जन भागीदारी पोर्टल पर आवश्यक रूप से अपलोड करे। नोडल अधिकारी ने पिछले वर्ष की तुलना में जनपद में हुई उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की और जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी को विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने कहा कि बगद नदी का सफल पुनरुद्धार, वृहत स्तर पर पौधरोपण, नंदन वन तथा अन्य वाटिकाओं की स्थापना, तालाबों का जीर्णोद्धार जनपद की सजगता को दशार्ती है। उन्होंने कहा, पानी की हर बूंद अनमोल है, ये हमारे लिए धरोहर है, हमें संकल्प लेना है कि जितनी जरूरत हो उतना ही पानी इस्तेमाल करेंगे और जल का दोहन बंद करेंगे ताकि आने वाली पीढ़ियों को शुद्ध जल मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण के कार्यों को आगे बढ़ाने, नवाचार करने, पौधरोपण को बढ़ावा देना, वाटर बॉडीज और रैन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ाए जाने के भी निर्देश दिया। इसके साथ उन्होंने जल संरक्षण में जनभागीदारी को सुनिश्चित करने की बात कही। कहा कि बिना जनता की भागीदारी के कोई भी अभियान सफल नहीं हो सकता। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुई प्लंबर और ऑपरेटर को विशेष प्रशिक्षण देने और संयंत्रों का उचित रख रखाव के निर्देश दिए। इसके साथ किए जाने वाले कार्यों का ब्लाकवाइज कार्ययोजना बनाने के साथ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत संयुक्त सचिव द्वारा संयुक्त जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक में स्थापित रैन वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट और नंदन वन में वृक्षारोपण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक केंद्रीय भूमि जल बोर्ड रहमान , जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, सहायक अभियंता लघु सिंचाई सहित संबंधित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने असमोली ब्लॉक में आयोजित की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चौपाल

असमोली/संभल (सब का सपना):- विकासखंड असमोली के प्राथमिक विद्यालय बिलालपत एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय ओबरी में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चौपाल का आयोजन किया गया। एसआईआर चौपाल के अन्तर्गत सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने ग्राम बिलालपत में एसआईआर के कार्यों का निरीक्षण किया ।गणना प्रपत्रों के संग्रह तथा एएसडी मतदाताओं के विषय में बीएलओ से जानकारी प्राप्त की तथा मतदाता सूची के अन्तर्गत मतदाताओं के नाम का वाचन करते हुए मतदाताओं का सत्यापन किया । जिलाधिकारी ने परिवार रजिस्टर का भी अवलोकन किया तथा खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा की परिवार रजिस्टर को प्रमाणित कराया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के दबाव में काम नहीं करना है, निष्पक्ष रूप से कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा की मतदाता सूची का वाचन करते हुए सूची का सत्यापन किया जाए। जिलाधिकारी ने मतदाताओं के निवास पर जाकर भी सत्यापन किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने ग्राम ओबरी में एसआईआर चौपाल की तथा गणना प्रपत्रों के संग्रह के विषय में जानकारी प्राप्त की एएसडी मतदाताओं के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा बीएलओ को निर्देशित करते हुए कहा कि गणना प्रपत्र फार्म को आधार से भी चेक कर लें। तथा मतदाताओं के रंगीन फोटोग्राफ लगवाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मतदाता सूची का वाचन करते हुए मतदाताओं का सत्यापन भी किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा डिजिटलाइजेशन को लेकर भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा सम्भल नगर पालिका के अन्तर्गत प्राचीन कुरुक्षेत्र तीर्थ का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी सम्भल रामानुज,

डिप्टी कलक्टर निधि पटेल, खण्ड विकास अधिकारी सम्भल/ असमोली प्रेमपाल सिंह,खण्ड शिक्षा अधिकारी असमोली अंशुल कुमार ,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल डॉ मणिभूषण तिवारी संबंधित बीएलओ,ग्राम सचिव, लेखपाल, ग्राम प्रधान,पूर्व ग्राम प्रधान, आंगनवाड़ी, रोजगार सेवक आदि सहित समस्त संबंधित अधिकारी एवं ग्राम वासी उपस्थित रहे।

गोविंदपुर गांव में बच्चों ने ली बाल विवाह न करने की शपथ

सम्भल(सब का सपना):- बाल अधिकारों के लिए निरंतर काम कर रही संस्था ह्यजस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन सम्भलह्ल ने एक बार फिर बाल विवाह के खिलाफ बड़ा कदम उठाया। शुक्रवार को प्रयत्न संस्था और जिला प्रोबेशन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में पंवासा ब्लॉक के गोविंदपुर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में बाल विवाह न करने की सामूहिक शपथ दिलाई गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण ने की। इस मौके पर संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने बच्चों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा, बच्चे देश का भविष्य हैं। हमारे भविष्य को सुरक्षित रखना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक अपराध है, जिसे जड़ से खत्म करने के लिए हमें एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। उन्होंने उपस्थित लोगों को बाल अपराधों की सूचना देने के लिए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी। चौधरी ने बताया कि कोई भी व्यक्ति बाल विवाह या अन्य बाल अपराध की सूचना तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या पुलिस हेल्पलाइन 112 पर दे सकता है। उन्होंने कहा कि सम्भल जनपद को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प तभी पूरा होगा जब हर नागरिक जागरूक और सक्रिय बनेगा। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, ग्राम प्रधान अनीता रानी, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां राजवाला, तनवीर कौसर, वीरवती, संस्था के फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बच्चों ने उत्साह के साथ बाल विवाह न करने और न होने देने की शपथ ली। यह अभियान जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने दिखाएं अपने जौहर

कबड्डी में बुरावली की टीम, बालक वर्ग दौड़ में गोलू एवं बालिका वर्ग में शिवी ने मारी बाजी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सैन्ट एंथोनी पब्लिक स्कूल रहरई के मैदान पर किया गया। खेलों का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार,जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह, कालेज के निदेशक राय मैथ्यू द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर एवं हरी झंडी दिखाकर किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता में ब्लॉक के सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उपस्थित सभी अतिथियों का खंड शिक्षा अधिकारी गगेश्वरी अनिल कुमार , जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार सिंह एवं ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी सिंह ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अहम हिस्सा है।खेलों से ही छात्र छात्राओं का शारीरिक विकास होता है।हमें खेलों को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए। इसके अलावा खेलकूद कार्यक्रम को भाजपा नेता मयंक अग्रवाल, जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने भी संबोधित किया। खेलकूद प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग में 50 मीटर दौड़ में गौरव प्राथमिक विद्यालय छपना प्रथम व रोहित प्राथमिक विद्यालय खुशहालपुर द्वितीय स्थान पर रहा। 100 मीटर दौड़ में रवि प्राथमिक विद्यालय दूल्हेपुर अहीर प्रथम व सुनील संविलियन विद्यालय मरौरा द्वितीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ में प्रदीप प्राथमिक विद्यालय जीवपुर प्रथम व मोहित प्राथमिक विद्यालय फत्तेहपुर अधेक द्वितीय स्थान पर रहा। प्राथमिक स्तर कबड्डी में संविलियन विद्यालय दढियाल की टीम प्रथम एवं संविलियन विद्यालय छपना द्वितीय स्थान पर रही। बालिका वर्ग में 50 मीटर दौड़ में दीपिका प्राथमिक विद्यालय दढियाल प्रथम व काजल प्राथमिक विद्यालय खैलिया की मढैय्या द्वितीय स्थान पर रही। 100 मीटर दौड़ में मंजू प्राथमिक विद्यालय रहरई प्रथम व सिदरा प्राथमिक विद्यालय शकरगढी द्वितीय स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में काजल प्राथमिक विद्यालय खैलिया की मढैय्या प्रथम व मधु प्राथमिक विद्यालय रहरई द्वितीय स्थान पर रही। कबड्डी में संविलियन विद्यालय बुरावली की टीम प्रथम एवं संविलियन विद्यालय दढियाल की टीम द्वितीय स्थान पर रहे। उच्च प्राथमिक स्तर में बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में शिवी उच्च प्राथमिक विद्यालय हिरनौटा प्रथम व मनीषा उच्च प्राथमिक विद्यालय जेबड़ा द्वितीय स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में शिवी उच्च प्राथमिक विद्यालय हिरनौटा प्रथम व देवकी उच्च प्राथमिक विद्यालय छपना द्वितीय स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में जासमीन उच्च विद्यालय कोकापुर प्रथम व अविका उच्च प्राथमिक विद्यालय हिरनौटा द्वितीय स्थान पर रही। 600 मीटर दौड़ में कनक उच्च प्राथमिक विद्यालय जेबड़ा प्रथम व अविका उच्च प्राथमिक विद्यालय हिरनौटा द्वितीय स्थान पर रही। कबड्डी में संविलियन विद्यालय बुरावली की टीम प्रथम स्थान पर जबकि उच्च प्राथमिक विद्यालय बरतौरा की टीम द्वितीय स्थान रही। खो--खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय बुरावली की टीम प्रथम स्थान पर रही। जबकि उच्च प्राथमिक विद्यालय कोकापुर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। बालका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में गोलू उच्च प्राथमिक विद्यालय चन्दनकोटा प्रथम व प्रियांश उच्च प्राथमिक विद्यालय बुरावली द्वितीय स्थान पर रहा। 200 मीटर दौड़ में गोलू उच्च प्राथमिक विद्यालय चन्दनकोटा प्रथम व प्रभु दयाल उच्च प्राथमिक विद्यालय बुरावली द्वितीय स्थान पर रहा। 600 मीटर दौड़ में गोलू उच्च प्राथमिक विद्यालय चन्दनकोटा प्रथम व रवि उच्च प्राथमिक विद्यालय जेबड़ा द्वितीय स्थान पर रहा। कबड्डी में उच्च प्राथमिक विद्यालय बुरावली की टीम प्रथम व उच्च प्राथमिक विद्यालय बरतौरा की टीम द्वितीय स्थान पर रही। जबकि खो-खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय बरतौरा की टीम प्रथम स्थान पर रही जबकि संविलियन विद्यालय द्वितीय स्थान पर रही।।लोकगीत एवं राष्ट्रीय एकांकी में प्राथमिक विद्यालय रहरई की टीम प्रथम स्थान पर रही जबकि समूह गान में उच्च प्राथमिक विद्यालय खरपड़ी की टीम प्रथम रही। सभी विजयी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता के इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह, जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार,जिला मंत्री एस सी एसटी शिक्षक संघ जगवीर सिंह,ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष पवन अग्रवाल,नरदेव सिंह,चन्द्रपाल सिंह, हेमराज कोहली, बिजेंद्र सिंह,ब्लॉक वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा,ब्लॉक उपाध्यक्ष गौरव नागर, राघवेन्द्र सिंह, विरेन्द्र चौधरी,नौबहार सिंह,संदीप कुमार ,महताब उद्दीन,डा.राजेन्द्र प्रसाद,खेल प्रभारी गौतम सिंह,जयवीर सिंह, बिजेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार, संजय सिंह,,एआरपी महीपाल सिंह, संजीत यादव,सुधीर चंद कटारिया,अमित कुमार,प्रदीप कुमार,राहुल सागर,,महकार सिहं,संजय कुमार, प्रवीन कुमार,नाजिर अली, हिरदेश वर्मा, फैजान हस्मत, जयपाल सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह,दीक्षा शर्मा,आभा त्यागी, रूफिया,किरन सैनी, पूजा विजय लक्ष्मी,प्रियंका जायसवाल,आकांक्षा शर्मा,मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, हरद्वारी सिहं .शिवचरन सिंह, भाजपा नेता मयंक अग्रवाल आदि मौजूद रहे। खेलों का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह एवं ने जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से किया।अंत में खंड शिक्षा अधिकारी गगेश्वरी अनिल कुमार ने सभी का आभार व्यक्त कर खेलों का समापन कर दिया।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति के मास्टर डाटा व आवेदनों को अग्रसारित करने के निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी कि अध्यक्षता में जिला सभागार बहजोई में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शिक्षण संस्थान के प्राचार्य एवं छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी के साथ मास्टर डाटा एवं छात्रवृत्ति आवदेन पत्र के अग्रसारण के संबंध में बैठक आहूत की गई ' जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया ने समस्त शिक्षण संस्थानों को 28 नवंबर 2025 तक समस्त डाटा को अग्रसारित करने के निर्देश दिए ' बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

यातायात माह एवं मिशन शक्ति के अन्तर्गत पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम एवं खेल प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी साझा करते हुए जनपद के मतदाताओं से अपील करते हुए चुनावी प्रकिया में पारदर्शिता और सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु सभी मतदाता अपना गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा करा दें ताकि उनका मताधिकार सुरक्षित रह सके। उन्होंने बताया कि गणना प्रपत्र के भरने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया ताकि सभी मतदाता आसानी से फॉर्म भर सके। कहा कि यह मतदाता सूची के सत्यापन व सुधार की प्रक्रिया चल रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जनपद के सभी मतदाताओं को अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के अंतर्गत वर्तमान में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया में वर्तमान में समस्त वर्तमान मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किया जा रहा है जिसे मतदाताओं द्वारा भर कर और हस्ताक्षरित करके बीएलओ को ससमय दिया जाना है जिससे कि मतदाताओं का नाम आलेख्य मतदाता सूची में प्रकाशित हो सके। यह प्रथम चरण का कार्य 4 दिसम्बर तक पूर्ण होना है। यह सूचित किया जाता है कि यदि किसी मतदाता का एक से अधिक स्थान पर मतदाता सूची में नाम दर्ज है तो उसे एक से अधिक गणना प्रपत्र प्राप्त होंगे। परंतु

ऐसे मतदाताओं को एक ही स्थान (सामान्य निवास स्थल) से अपना गणना प्रपत्र (एन्युमेरेशन फॉर्म) भरना है। यदि मतदाता एक से अधिक स्थान से गणना प्रपत्र भरकर देता है तो यह कानूनी अपराध है और ऐसे मतदाता के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 के अंतर्गत कार्रवाई की हो सकती है, जिसमें 1 साल की जेल की सजा का प्रविधान है। सभी मतदाताओं से अपील है कि शीघ्र अपना गणना प्रपत्र भर दें जिससे की उनका नाम आलेख्य सूची में प्रकाशित हो सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त उत्तर प्रदेश के अनुसार मतदाता 2003 की वोटर लिस्ट से माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानी आदि में से किसी एक का ब्यौरा भरकर गणना फार्म जमा कर सकते हैं। केवल 3 मूलभूत चीजे आवश्यक है, नवीनतम फोटो, मोबाइल नंबर, माता पिता का नाम भरना जरूरी है, आधार कार्ड और पहचान पत्र (EPIC NUMBER) देना वैकल्पिक है, जरूरी नहीं है, जिस्की 2 जगह वोट हो वो केवल 1 जगह ही गणना फार्म जमा करें, सबसे महत्वपूर्ण बात मुख्य निर्वाचन आयोग के अनुसार रक्फ़फार्म जमा ना करने से वोट का अधिकार प्रभावित होगा, नागरिकता के अधिकार पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

अमित शुक्ला, संयुक्त सचिव ग्रामीण विभाग, भारत सरकार द्वारा नंदन वन मे पौधरोपण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में अमित शुक्ला, संयुक्त सचिव ग्रामीण विभाग, भारत सरकार द्वारा नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा विकसित नंदन वन मे पौधरोपण किया गया। भारत सरकार के संयुक्त सचिव को पालिका नंदन वन के बारे मे जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद अमरोहा के उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने बताया की भारत के प्रधानमंत्री व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा देश एवं प्रदेश मे पौधरोपण का विश्व कीर्तिमान बनाये जाने से प्रेरणा लेकर नगर पालिका परिषद अमरोहा की शासकीय भूमि से अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे

हटाते हुए उक्त भूमि पर नंदन वन विकसित किया गया है। वर्ष 2023-24 मे इस वन मे आम, अमरुद, नीम. आँवला, अर्जुन, बेल, पापड़ी, बरगद, पीपल आदि के लगभग 3 हजार पौधे रोपित किये गए थे। उक्त स्थान की तारों से बाड़बंदी करके, पानी की निर्बाध आपूर्ति हेतु छोटा नलकूप लगवाया गया, माली की ड्यूटी लगायी गयी, साथ ही स्वयं नियमित निरीक्षण किया जाता है। उचित देखरेख एवं पर्याप्त व्यवस्था के कारण इस वन के 98% पौधे जीवित हैं तथा फल फूल रहे हैं। भारत सरकार के संयुक्त सचिव द्वारा आम व पीपल का पौधा आज इस वन मे रौपा गया। तथा पालिका नंदन वन की प्रशंसा की गयी व पालिका की अन्य रिक्त एवं उचित स्थानों पर इसी प्रकार के वन विकसित किये जाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर समस्त पालिका स्टॉफ उपस्थित रहा।

समय से जमा हो एसआईआर फार्म, कोई भी पात्र न छुटे: विधायक पीएन पाठक

संवाददाता

कुशीनगर। निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने अपने कैम्प कार्यालय राम जानकी मठ पर भाजपा मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक की तथा कहा कि समय से एसआईआर फार्म जमा हो व कोई भी पात्र मतदाता न छुटे। शुक्रवार को आयोजित बैठक में विधायक पीएन पाठक ने कहा कि पार्टी कार्यकताओं से घर-घर जाकर आम जनता को बीएलओ से प्राप्त फॉर्म भरकर

समय सीमा में जमा कराने को कहे, जिससे मतदाता सूची 2003 से 2025 तक की सूची का सही सत्यापन हो सके। मंडल के सभी बूथों पर पार्टी कार्यकर्ता एसआईआर के कार्य में सक्रिय होने के लिए अपील करते कहा कि इस अभियान के दौरान पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़े जा रहे हैं। नागरिकों से परिवार के सभी योग्य सदस्यों का विवरण सत्यापित कर सहयोग करने की अपील की गई है। एसआईआर के मुताबिक मतदाता को 2003 की मतदाता सूची से अपने माता-पिता या दादा - दादी के नाम से सत्यापन करना होगा। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष बच्चा सिंह, राजेश राव अध्या पांडेय, अमरजीत कुशवाहा, किंन्नरेश चौबे, अनिल प्रताप राव, डॉ छेदी शर्मा, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, विधायक प्रतिनिधि रुद्र प्रकाश सिंह, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, चांदबली गोंड आदि मौजूद रहे।

पालिका अध्यक्षा पति से रंगदारी मांगने का आरोप,दो महिला सभासद पतियों सहित तीन पर केस दर्ज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र में नगर पालिका अध्यक्षा पति एवं पूर्व विधायक से रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। इस मामले में पुलिस ने दो सभासद पतियों सहित तीन पर केस दर्ज किया है। इस कार्यवाही को पुलिस द्वारा एफआईआर ना लिखे जाने के बाद कोर्ट के आदेश पर किया गया है। बता दें कि नगर पालिका अध्यक्षा पति एवं पूर्व विधायक हरपाल सिंह ने शिकायत में बताया है कि उनकी पत्नी राजेंद्री उर्फ उमा देवी वर्ष 2023 में पालिका अध्यक्षा निर्वाचित हुई थी, इसके बाद से उन्हें विभिन्न तरीकों से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप

लगाते हुए कहा कि इस पूरी परेशानियों की गतिविधियों में दो महिला सभासद पतियों सहित तीन लोग शामिल हैं।पूर्व विधायक हरपाल सिंह के अनुसार वार्ड नं 16 व 19 में महिला सभासद चयनित हैं लेकिन इन महिला सभासदों के पति सोशल मीडिया पर स्वयं को सभासद के रूप में प्रसारित करते हैं। उन्होंने नगर पालिका गजरौला नाम से एक ग्रुप बनाया हुआ है जिसके माध्यम से यह बार-बार पूर्व विधायक के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते रहते हैं। दी गई शिकायत के मुताबिक जब हरपाल सिंह ने इन लोगों से लगातार हो रही परेशानी की वजह पूछी तो आरोपियों ने उनसे ₹20000 प्रति माह रंगदारी मांगी,पैसे ना देने पर उन्होंने कथित तौर पर परिवार को परेशान करने और जान से मारने की धमकी दी। पूर्व विधायक ने पहले गजरौला थाना पुलिस को तहरीर दी लेकिन कोई कार्यवाही इस मामले में नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने कोर्ट में अर्जी दाखिल की कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। सीओ अंजलि कटारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और आवश्यक विधिक कार्यवाही की जाएगी।

जल शक्ति मंत्री का भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल ने किया स्वागत

संवाददाता

कुशीनगर।बुद्ध स्थली कुशीनगर पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का जोरदार स्वागत भाजपा नेता ओमप्रकाश जायसवाल के कसया स्थित आवास पर माल्यार्पण कर किया गया। जल शक्ति मंत्री श्री सिंह ने कहा कि हर घर पहुंचेगी सरकार की नल जल योजना। गुरुवार को जल शक्ति मंत्री श्री सिंह कुशीनगर पहुंचे और रात्रि विश्राम किया। इसके पश्चात शुक्रवार की सुबह वह होटल ओम रेजिडेंसी पहुंचे जहां उन्हें गॉड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी डॉ संतराज यादव, सीओ, एसओ और पुलिस बल मौजूद रहे। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह यहां

से श्री जायसवाल के आवास पर पहुंचे जहां भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, ओमप्रकाश जयसवाल, आदि ने स्वागत किया। जल शक्ति मंत्री ने सिंह पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि हर घर नल जल योजना महत्वपूर्ण योजना है। इसे घर घर पहुंचाने के लिए जन जागरण के लिए जनप्रतिनिधि और जागरूक लोग आगे आएं। बिहार में एनडीए की जीत पर कहा कि भाजपा के लिए राजनीति व्यापार नहीं मिशन है। इतिहास पर गौर करेंगे तो आप पाएंगे कि पंडित उपाध्याय, अटल जी जैसे राष्ट्र गौरव के सिद्धांतों पर चलते हुए पार्टी विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए समर्पित है। कहा कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन के विकास के कार्य कर रही है। यहां से वह बुद्ध स्थली और वहां से देवरिया में पटेल जयंती पर आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में भाग लेने निकल गए। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि, जिला महामंत्री संतोष दत्त राय, संजय शुक्ला, नगर मंडल अध्यक्ष आद्या पांडेय, पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, सभासद प्रभुनाथ सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष चंद्रप्रभा पांडेय, रत्नेश श्रीवास्तव, रूपम सिंह, सुगंधा, किरन सिंह, फूलवंती चौहान, राधेश्याम गोंड, गोपालजी राय, बालिस्टर भारती, पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. चंद्रभूषण सिंह, एड शंभू, गौरव, दिनेश, प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह, उमेश सिंह, पुष्कर आदि उपस्थित रहे ।

संभल में प्रतिबिंब पोर्टल से मिले संदिग्ध 178 खातों की हो रही पड़ताल, चंदौसी में दो रिपोर्ट दर्ज

बहजोई। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के प्रतिबिंब पोर्टल से प्राप्त संदिग्ध खातों के डाटा के आधार पर जनपद में अवैध वित्तीय गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस और प्रशासन संयुक्त रूप से जांच में जुट गए हैं। अवैध लेनदेन में उपयोग होने वाले म्यूल खातों को चिन्हित करने के लिए खातेधारकों से संपर्क किया जा रहा है और प्रत्येक थाने में सत्यापन प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि किन खातों का दुरुपयोग किया गया और किन मामलों में खाताधारकों को जानकारी तक नहीं थी। दरअसल, प्रतिबिंब पोर्टल से जनपद संभल को कुल 178 संदिग्ध बैंक खातों का डाटा भेजा गया है। ये ऐसे खाते हैं जो वास्तविक दस्तावेजों के आधार पर सही व्यक्तियों के नाम से खुलते हैं, लेकिन उनका संचालन कोई और संभालता है और इनका इस्तेमाल अवैध गतिविधियों व वित्तीय अपराधों में किया जाता है जिन्हें म्यूल खाते कहा जाता है। जनपद के सभी थानों को यह डाटा उपलब्ध करा दिया गया है और सत्यापन के दौरान खाते धारकों से पूछताछ की जा रही है कि उनके खातों में हुए लेनदेन कैसे और किन परिस्थितियों में हुए। अब तक 15 खातों की जांच पूरी हो चुकी है जिनमें सभी खाते गलत पाए गए हैं, न पर अवैध लेनदेन का स्पष्ट संकेत मिला है। इसी आधार पर विभिन्न थानों में कार्रवाई की जा रही है। चंदौसी कोतवाली में अभी तक दो रिपोर्ट दर्ज हो चुकी हैं जबकि अगले चौबीस घंटे में अन्य रिपोर्ट दर्ज होने की संभावना है। शेष खातों की जांच जारी है, जिसके पूरा होने पर यह स्पष्ट होगा कि कुल कितने खाते म्यूल की श्रेणी में आते हैं और कितने वास्तविक हैं। प्रतिबिंब पोर्टल से प्राप्त 178 खातों के डाटा का गहन सत्यापन किया जा रहा है। अब तक 15 खाते गलत पाए गए हैं, जिनमें अवैध लेनदेन की स्पष्ट पुष्टि हुई है और इन्हीं मामलों पर रिपोर्ट दर्ज करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। शेष खातों की जांच तेजी से जारी है और सभी मामलों में कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। -

अखिलेश बोले : सीएम को सिविल इंजीनियरिंग नहीं आती

कहां उनसे गुहार लगा रहे हैं? काशी दालमंडी के व्यापारी बोले: हम बर्बाद हो जाएंगे

लखनऊ। काशी के दाल मंडी में सरकार के एक्शन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने व्यापारियों से कहा- उट सिविल इंजीनियरिंग समझते नहीं है, कहां उनसे रहम की गुहार लगा रहे हो। इनके सारे प्रोजेक्ट राजनीतिक उद्देश्य के लिए बनते हैं। दाल मंडी में भाजपा कभी नहीं जीत पाई। मेरे पास वहां के बूथ के रिजल्ट हैं। इसलिए ऐसे हथकंडे अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारे बीच चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह और अन्य कार्यकर्ता आए हैं। वहां की दाल मंडी बहुत ही ऐतिहासिक है। वहां के कुछ व्यापारी अपनी परेशानी लेकर आए हैं। कुछ साल से उनकी तकलीफ बढ़ती जा रही है। सरकार के फैसले के चलते उन पर संकट आ गया है। ये कोई हेरिटेज बचाने की योजना नहीं है। ये राजनीतिक साजिश है। व्यापारी राहुल अरोरा ने कहा- मैं छोटा दुकानदार हूं। दाल मंडी में जिस किसी का भी घर या दुकान है। सभी परेशान हैं। ये प्रोजेक्ट व्यापारी नहीं, श्रद्धालुओं के हक में है। हम भी श्रद्धालु हैं। हम तो योगी से निवेदन करते हैं कि कृपा करके हमें वहीं बसे रहने दें। इस पर बीच में बात काटते हुए अखिलेश बोले- वो सिविल इंजीनियरिंग समझते नहीं है, कहां उनसे निवेदन कर रहे हो। चश्मा की दुकान लगाने वाले बालू यादव बोले कि हम छोटे व्यापारी हैं। सरकार से हाथ जोड़ा, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। हमारी दुकानें तोड़ी जा रही है। 15 लोगों का परिवार है, उसी से हमारी रोजी-रोटी चल रही है। इसी की गुहार लगाने आए हैं। हमारी कुछ सुनवाई हो जाए। दुकानदार साजिद ने बताया कि हमारी दाल मंडी में छोटी सी दुकान है। दुकानें दबाव डालकर

ली जा रही हैं। वहां के एसडीएम का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। आपने मकान तो खरीद ली, लेकिन नीचे जो दुकान है, उस पर कैसे टिट फॉर टैट लागू होता है। उसका पालन क्यों नहीं किया जा रहा है। आपने मकान खरीदा है तो आप हमारे मालिक हैं। हम लोग कहां जाएंगे। कुछ और काम हमें आता नहीं। दूसरा कारोबार नहीं आता। जहां भेज रहे हैं, वो बायपास पर है। वहां कौन ग्राहक आएगा। हमारे पास इतना पैसा भी नहीं है। जब परियोजना पास की तो वो मास्टर प्लान में भी नहीं था। हम बर्बाद हो जाएंगे। बचा लीजिए। महिला दुकानदार नीलू ने कहा- हमारी मां हैं। बहनें हैं। पिता व भाई नहीं हैं। हमारे जैसे कई लोग हैं, वो रो रहे हैं। हम कहां जाएंगे। घर बचा लीजिए। अखिलेश ने कहा- कहा गया था कि वाराणसी को क्योटो की तर्ज पर बनाएंगे। क्योटो की तरह विकास होगा। खुशी तब हुई, जब ये बताया गया कि क्योटो वो धार्मिक और हेरिटेज शहर है, जहां लाखों पर्यटक जाते हैं। वहां की सुविधाएं विश्वस्तरीय हैं। उस समय के जापान के प्रधानमंत्री के साथ भोजन करने का अवसर मिला था। इसलिए हमें भरोसा भी हो गया। लेकिन, इधर देख रहे हैं कि लोगों को परेशान किया जा रहा है। उनका कारोबार छीना जा रहा है। डर से, सरकार की ताकत से कैसे डराया जाए कि वे अपनी मांग भी न उठा पाएं। इसकी कोशिशें हो रही हैं। वे अपने राजनीतिक लक्ष्य को पूरा करने के लिए डिवाइड एंड रूल का माहौल बना रहे हैं। दुनिया में कई ऐसे देश हैं, जिन्होंने अपने बाजार को बचाकर कल्चर संरक्षित किया है। विकास किया है। वैसे हमारे सीएम योगी सिंगापुर में स्पेन ढूंढ रहे थे। दुनिया के टूरिस्ट सिटीज को देख लीजिए, किस तरीके से उन्होंने अपनी गलियों को संरक्षित रखा है। दो लोग भी उस गली में नहीं जा सकते हैं, फिर भी उनका संरक्षण किया गया है। सपा मुखिया ने कहा- दाल मंडी में मुआवजे के तौर पर दूसरी दुकान दे सकते हैं, लेकिन बाजार कैसे देंगे। दाल मंडी एक दिन में नहीं बनी है। बाजार तो देंगे, लेकिन ग्राहक कहां से देंगे। एक दुकान को जमाने में जमाना लग जाता है। ये चाहते हैं कि उसे तोड़ कर हटा दें। कई ऐसे व्यापारी है, जो वहां कई पुश्तों से व्यापार कर रहे हैं। भाजपा दाल मंडी वालों को दाल की तरह दरे नहीं। दाल मंडी वालों, हमारे कारोबारियों को संरक्षण दें। भाजपा वाले नकारात्मक हैं। उनकी सोच संकीर्ण है। वो कैसे चौड़ीकरण की बात कर रहे हैं। चौड़ीकरण भाजपा की संकीर्ण सियासत की साजिश है। ये एक विरोधाभाष भी है। किसी की जीविका छीनने का अधिकार कब से मिल गया। भाजपा वाले अधिकारियों के बलबूते अपनी ताकत का इजहार करना चाहते हैं। ये जीत या अधिकारियों के माध्यम से डराना धमकाना कितने दिन चलेगा। आज हम यहां बैठे हैं, तो और दिन कम हो गए। अखिलेश ने कहा- भाजपा वाले बेचने वाले लोग हैं।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुद्ध प्रतिमा के समक्ष नवाया शीश

संवाददाता

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शुक्रवार को कुशीनगर पहुंचे और बुद्ध स्थली का भ्रमण किया तथा बुद्ध प्रतिमा के समक्ष शीश नवाया। जलशक्ति मंत्री श्री सिंह एक दिन पूर्व गुरुवार को कुशीनगर पहुंचे थे और आज सुबह वह भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी के साथ मुख्य महा परिनिर्वाण मंदिर पहुंचे और बुद्ध का दर्शन कर नमन किया। इसके पश्चात यहां परिसर में पुरातात्विक धरोहरों का अवलोकन किया। यहां उन्होंने जिलाध्यक्ष श्री राय और पूर्व विधायक श्री त्रिपाठी से कुशीनगर के पर्यटकीय विकास कार्यों की चर्चा की। पुरातत्व विभाग द्वारा कुशीनगर से जुड़ी पुस्तक उन्हें भेट की। इस दौरान दिवाकर मणि त्रिपाठी, गोपाल जी राय सहित पार्टी के पदाधिकारी मौजूद थे।

'नवी दिशा योजना से महिलाओं को मिला आत्मसम्मान, मुफ्त में मिल रहे अच्छी क्वालिटी के सेनेटरी पैड

अमृतसर :महाराष्ट्र सरकार की 'नवी दिशा' योजना महिलाओं को मुफ्त में उच्च गुणवत्ता वाले सेनेटरी पैड प्रदान कर रही है। इससे महिलाओं को आत्मसम्मान और स्वच्छता के प्रति जागरूकता मिल रही है। यह योजना मासिक धर्म के दौरान होने वाली समस्याओं से निपटने में मदद करती है और गरीब महिलाओं को राहत प्रदान करती है। इस पहल से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। 'नवी दिशाह्न योजना केवल सेनेटरी पैड बांटने की सरकारी स्कीम नहीं है, बल्कि यह पंजाब की बेटी के सम्मान, स्वास्थ्य और गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प है। इस योजना ने दो बड़े रास्तों पर जीत हासिल की है, पुरानी कांग्रेस सरकार की घटिया क्वालिटी की कमी को खत्म किया है और देश के कई बड़े राज्यों के मुकाबले पंजाब को स्वास्थ्य डिलीवरी में 'रोल मॉडल' के रूप में खड़ा किया है। पिछली कांग्रेस सरकार की ह्यउड़ानह्न योजना पर सालाना करीब ड्ड40.55 करोड़ खर्च होते थे, लेकिन साफ-साफ कह रही हैं कि पिछली कांग्रेस सरकार की ह्यउड़ानह्न योजना (जिस पर सालाना करीब ड्ड40.55 करोड़ खर्च होते थे) में जो पैड मिलते थे, वे घटिया, बदबूदार और संक्रमण पैदा करने वाले थे। वह पैसा सिर्फ कागज पर खर्च होता रहा, जबकि महिलाओं को सिर्फ असुविधा और शर्म मिली। मान सरकार ने इस अनादर को तुरंत बदला 'नवी दिशाह्न योजना पर ड्ड53 करोड़ का बड़ा निवेश किया गया है, जो न केवल अधिक बजट दशार्ता है, बल्कि बेहतर नीयत भी दिखाता है। इस बड़े निवेश के नतीजतन,महिलाओं को उत्कृष्ट क्वालिटी के साथ मुलायम, सुरक्षित और 100% बायोडिग्रेडेबल

(पर्यावरण-अनुकूल) पैड मिल रहे हैं। गारंटीशुदा डिलीवरी के तहत, 13.65 लाख महिलाओं को हर महीने 9 नैपकिन की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। साथ ही, डिजिटल पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मोबाइल ऐप और डैशबोर्ड से वितरण की 'रियल-टाइम' निगरानी होती है, ताकि चोरी या अनियमितता की कोई गुंजाइश न बचे। महिलाएँ जानती हैं कि बजट का बढ़ना सिर्फ खर्च नहीं है, यह उनकी सेहत और सम्मान में किया गया सीधा निवेश है। अन्य बड़े राज्यों की तुलना में, पंजाब ने एक बेहतर, सुचारू और भरोसेमंद मॉडल स्थापित किया है। जबकि उत्तर प्रदेश में कपड़े का उपयोग अधिक है और आपूर्ति में रुकावट आती है, और बिहार/झारखंड में सबसे कम स्वच्छता दर तथा कमजोर वितरण नेटवर्क है, पंजाब अपने 27,313 आंगनवाड़ी केंद्रों के मजबूत नेटवर्क के माध्यम से 13.65 लाख लाभार्थियों को उच्च कवरेज और मासिक डिलीवरी की गारंटी दे रहा है। मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में जहाँ स्टॉक-आउट और ग्रामीण पहुंच की कमी मुख्य समस्या रही है, वहीं पंजाब में डिजिटल निगरानी से स्टॉक-आउट खत्म हुआ है और हर महीने पक्के तौर पर डिलीवरी हो रही है। ओडिशा और छत्तीसगढ़ में योजनाओं का असंगत कार्यान्वयन होने के विपरीत, पंजाब की योजना कैबिनेट की मंजूरी से संरचित, सुसंगत और गुणवत्ता-जाँच आधारित है। पंजाब अब स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश का अगुआ बन चुका है। जिन राज्यों में आज भी करोड़ों महिलाएँ शर्म और संक्रमण के डर से जी रही हैं, वहां पंजाब की महिलाएं आत्मविश्वास और सुरक्षा के साथ अपने काम पर जा रही हैं। गांव की गुरप्रीत कौर बताती हैं, "पहले महीने के उन दिनों में काम पर जाना मुश्किल था। पैसे नहीं होते थे, शर्म आती थी। अब आंगनवाड़ी दीदी हर महीने घर आकर पैड देती हैं। मान साहब ने हमारी छोटी सी परेशानी को समझा और हमारा सम्मान लौटाया है।" ह्यनवी दिशाह्न केवल एक स्वास्थ्य योजना नहीं है। यह मान सरकार के सुशासन, पारदर्शिता और महिलाओं के प्रति वास्तविक सम्मान का प्रमाण है। यह योजना दिखाती है कि जब नीयत साफ होती है, तो सरकारी योजनाएँ लाखों ज़िंदगियाँ बदल सकती हैं। पंजाब की हर महिला और बेटी आज गर्व से कह रही है: मान सरकार ने हमें सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने की 'नवी दिशाह्न दी है। यही है पंजाब मॉडल की असली ताकत, जिसने देश के बाकी राज्यों से मीलों आगे खड़ा कर दिया है!

चंडीगढ़ में बिना लाइसेंस चल रही दुकानों पर 30-30 हजार जुमार्ना

चंडीगढ़ : चंडीगढ़ की जिला अदालत ने सेक्टर-14 की फूड स्ट्रीट पर बिना लाइसेंस चल रही तीन दुकानों पर 30-30 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी में खुलासा हुआ कि ये दुकानें बिना लाइसेंस के खाद्य सामग्री बेच रही थीं। अदालत ने दुकान मालिकों को दिनभर कोर्ट में खड़े रहने की सजा भी सुनाई। नगर निगम की भूमिका पर भी सवाल उठे हैं। बिना फूड लाइसेंस चल रही तीन दुकानों पर जिला अदालत ने 30-30 हजार रुपये जुमार्ना लगाया है। अदालत ने दुकान के मालिक को दिनभर कोर्ट में खड़े रहने की सजा भी दी। यह दुकानें सेक्टर-14 की मशहूर फूड स्ट्रीट की हैं। दो साल पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम ने यहां छापेमारी की थी और पाया था कि यहां कियास्क नंबर-2, 3 और 4 दुकानों पर बिना फूड लाइसेंस के खाने-पीने का सामान बेचा जा रहा है। इसलिए इनके खिलाफ जिला अदालत में केस दायर किया गया था। इसमें अदालत ने इन्हें दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। खास बात इन दुकानों को नगर निगम अलॉट करता है। ऐसे में नगर निगम के अफसरों पर भी सवाल उठते हैं कि बिना फूड लाइसेंस काम करने वाली फर्म को कैसे यहां दुकानें चलाने का काम दे दिया गया। स्वास्थ्य विभाग ने की थी छापेमारी पांच सितंबर 2023 को स्वास्थ्य विभाग की टीम यहां निरीक्षण करने पहुंची। इस दौरान वहां दुकानों का मैनेजर पंकज कुमार मिला। जांच के दौरान पता चला कि यहां बिना लाइसेंस शेक, कोल्ड ड्रिंक, सैंडविच व नूडल्स आदि बेचे जा रहे थे। ऐसे में इनके खिलाफ केस दायर किया गया। जांच के दौरान ही पता चला कि यह दुकानों ज्ञान सिंह एंड एसोसिएट्स को दी गई थी। इसमें कुछ पार्टनर भी थे और विभाग ने उन्हें भी केस में पार्टी बनाया। मुकदमे के दौरान अदालत ने मैनेजर पंकज कुमार को तो बरी कर दिया, लेकिन फर्म के मालिक और पार्टनर ज्ञानो देवी और हरीश कुमार को दोषी करार देते हुए 30-30 हजार रुपये हजार्ना भरने के निर्देश दिए।

'अमृतपाल की पैरोल पर सात दिन में ले फैसला', पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट का पंजाब सरकार को आदेश

अमृतसर : पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब सरकार को अमृतपाल सिंह की पैरोल याचिका पर सात दिनों के भीतर फैसला लेने का आदेश दिया है। यह आदेश अमृतपाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया गया, जिसमें पैरोल देने में देरी का आरोप लगाया गया था। अदालत ने सरकार से तेजी से विचार करने और कानून के अनुसार निर्णय लेने को कहा है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार के गृह सचिव को निर्देश दिया है कि एनएसए के तहत असम के डिब्रूगढ़ जेल में बंद खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह की संसद के शीतकालीन सत्र में शामिल होने के लिए दायर पैरोल अर्जी पर सात दिनों के भीतर फैसला किया जाए। अदालत ने कहा कि संभव हो तो यह निर्णय सत्र शुरू होने से पहले ही ले लिया जाए। अमृतपाल सिंह ने 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलने

वाले संसद के शीतकालीन सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगी है। अमृतपाल पर ह्यखालिस्तानी अलगाववाद को बढ़ावा देनेह्न और राज्य की सुरक्षा एवं सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा बनने के आरोप हैं। चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस संजीव बेरी ने सुनवाई के दौरान अमृतपाल की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट आर एस बैंस से पूछा कि वह संसद में किन मुद्दों पर बोलेंगे या ह्यक्या वे सिर्फ बैठे रहेंगे?ह्न बैन्स ने दिया ये जवाब बैन्स ने कहा कि वह संभव बाढ़ राहत से जुड़े मुद्दे उठाएंगे क्योंकि उसके क्षेत्र के लगभग एक हजार गांव बाढ़ से पीड़ित हुए थे। सुनवाई के दौरान एएसजी सत्य पाल जैन ने केंद्र सरकार की ओर से अदालत को बताया कि सांसद को संसद में उपस्थित होने की अनुमति केवल राज्य की सक्षम प्राधिकरण ही दे सकती है। अमृतपाल के वकील ने कोर्ट को बताया कि 13 नवंबर को केंद्रीय गृह मंत्रालय, पंजाब सरकार और अमृतसर के जिलाधिकारी को भी मांग पत्र पत्र भेजे थे, जिन पर निर्णय लेने का आग्रह हाईकोर्ट से किया गया है। पंजाब सरकार की ओर से दलील दी कि यह केवल एक मांग है, कोई औपचारिक आवेदन नहीं। इस पर अदालत ने कहा कि इस मांग को ही आवेदन मानकर विचार किया जाए। अमृतपाल सिंह फिलहाल एनएसए के तहत डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। धारा 15 के तहत मांगी पैरोल उन्होंने एनएसए की धारा 15 के तहत पैरोल मांगी है, जो असाधारण परिस्थितियों में अस्थायी रिहाई का अधिकार देती है। सरकार चाहे तो तय अवधि के लिए शर्तों के साथ या बिना शर्त पैरोल दे सकती है और इसे कभी भी वापस ले सकती है। अमृतपाल का कहना है कि वह अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों की आवाज संसद में उठाना चाहते हैं और उनके मुद्दों को लोकतांत्रिक भा वना में रखते हुए पेश करना चाहते हैं।

चार महिला क्रिकेटरों ने बढाय़ा चंडीगढ़ का मान टाटा WPL 2026 की ऑक्शन सूची में नाम

अमृतसर : चंडीगढ़ की चार महिला क्रिकेटरों काशवी गौतम, तानिया भाटिया, मोनिका और नंदिनी शर्मा का नाम टाटा विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की नीलामी सूची में शामिल किया गया है। काशवी पहले गुजरात जायंट्स और तानिया दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रह चुकी हैं। मोनिका और नंदिनी का नाम पहली बार ऑक्शन सूची में आया है। जनवरी 2026 में होने वाले टाटा विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए ऑक्शन होने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी गई है। यूटी क्रिकेट एसोसिएशन की चार महिला क्रिकेटरों का ऑक्शन लिस्ट में शामिल किया गया है। 27 नवंबर को दिल्ली में टाटा डब्ल्यूपीएल में पांच महिला टीमों के लिए खिलाड़ियों की ऑक्शन होगी। जिन महिला खिलाड़ियों को ऑक्शन लिस्ट में शामिल किया गया है उसमें काशवी गौतम, तानिया भाटिया, मोनिका और नंदिनी शर्मा के नाम शामिल है। गौतम और तानिया भाटिया पहले भी महिला प्रीमियर लीग का हिस्सा रह चुकी है। 2 साल पहले काशी को गुजरात जायंट्स टीम ने दो करोड़ की ऑक्शन में खरीदा था। दूसरी तरफ इसी साल चंडीगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन को फिर से जोड़ने वाली अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी तानिया भाटिया पिछले सभी सीजन से दिल्ली कैपिटल्स की टीम के साथ जुड़ी रही है। मोनिका पांडे और नंदिनी शर्मा को पहली बार महिला प्रीमियर लीग की ऑक्शन लिस्ट में शामिल किया गया है। काशी और तानिया भाटिया के साथ दूसरी दोनों खिलाड़ियों के भी इस बार किसी टीम द्वारा चुने जाने की प्रबल संभावनाएं बताई गई है। काशवी गौतम ऑल राउंडर के तौर पर खेलती हैं जबकि तानिया भाटिया विकेट कीपिंग के साथ बल्लेबाजी भी करती हैं। मोनिका पांडे चंडीगढ़ की टीम में बतौर ओपनर खेलती हैं। नंदिनी शर्मा तेज गेंदबाज हैं।

विदेश से मिली थी मर्डर की सुपारी, छेहरटा हत्याकांड में अमृतसर पुलिस ने दो शूटरों को पिस्टल समेत दबोचा

अमृतसर : अमृतसर पुलिस ने छेहरटा हत्याकांड के मुख्य शूटर जोबनप्रीत सिंह और उसके साथी सुखबीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पिस्टल भी बरामद की है। जांच में पता चला कि विदेश में रहने वाले निशान सिंह ने हत्या की सुपारी दी थी। गिरफ्तार आरोपियों में जोबनप्रीत सिंह और सुखबीर सिंह शामिल हैं, जिनकी उम्र 22 वर्ष है। अमृतसर पुलिस ने छेहरटा हत्याकांड में मुख्य शूटर जोबनप्रीत सिंह उर्फ जोबन और उसके साथी सुखबीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल आस्ट्रिया निर्मित ग्लोक 9एमएम पिस्टल बरामद की है। इस मामले में अब तक कुल चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। बता दें कि 18 नवंबर की सुबह वरिंदर सिंह को गुरुद्वारा छेहरटा साहिब के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी, जब वह बच्चों को स्कूल छोड़कर लौट रहा था। गंभीर रूप से घायल वरिंदर सिंह की बाद में एस्कार्ट फोर्टिस अस्पताल वेरका बाईपास में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद थाना छेहरटा में एफआईआर नंबर 233 धारा 103, 61(2) बीएनएस व आर्म्स एक्ट के अधीन दर्ज किया गया। पुलिस ने शुरूआती कार्रवाई में गुरलाल सिंह और उसकी पत्नी परमजीत कौर को गिरफ्तार किया था। आगे की जांच में पुलिस ने दो हमलावरों जोबनप्रीत सिंह और सुखबीर सिंह को दबोच लिया। पूछताछ में जोबन ने खुलासा किया कि उसने वारदात में इस्तेमाल पिस्तौल छिपाई थी और बरामदगी के लिए पुलिस को स्थान बताया। पुलिस जब उसे मौके पर लेकर पहुंची तो आरोपी ने अचानक हथियार उठाकर हेड कांस्टेबल गुरिंदर सिंह पर फायर कर दिया। हालांकि गोली जांच में यह भी सामने आया कि विदेश में रहने वाला निशान सिंह, जो अर्षदीप कौर का पति बताया जा रहा है, ने शूटरों को दुबई भेजने का लालच देकर हत्या की सुपारी दी थी। उसके स्वयं विदेश में होने का शक है। इस संबंध में दूसरी एफआईआर नंबर 236 दिनांक 20 नवंबर 2025 धारा 109, 132, 221, 262 बीएनएस व आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपी जोबनप्रीत सिंह और सुखबीर सिंह दोनों की उम्र 22 वर्ष है और दोनों के खिलाफ पहले कोई मामला दर्ज नहीं था। पहले से गिरफ्तार गुरलाल सिंह व उसकी पत्नी परमजीत कौर तर्नतारन के पिंड चंबा के निवासी हैं।

जालंधर में करंट लगने से 18 वर्षीय युवक की मौत, परिवार ने की जांच की मांग

अमृतसर : जालंधर में 18 वर्षीय विकास पांडे की करंट लगने से मौत हो गई। परिजनों ने वर्कशॉप संचालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। उनका कहना है कि विकास को पेंटिंग के लिए ले जाया गया था, जहाँ यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेने की अपील की है। बीते रविवार विकास पांडे नाम के 18 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई थी। मृतक के चाचा अजय मिश्रा ने आरोप लगाया है कि भतीजा विकास पांडे गाड़ियों की वर्कशाप में काम करता था। रविवार को वर्कशाप संचालक एक घर व दुकान में पेंट करवाने के लिए साथ ले गया था। पेंट करने के दौरान करंट लगने की बात कही जा रही है। हालांकि, पारिवारिक सदस्यों को मौत के कारणों का पता नहीं लगा। मौत करंट लगने

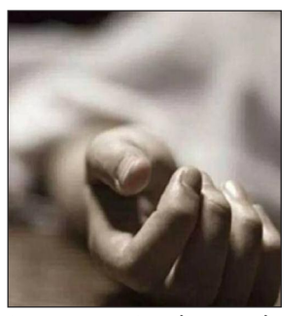

से हुई या फिर कोई और कारण है। पुलिस ने मृतक के शरीर को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले को लेकर चाचा अजय मिश्रा पुलिस थाने गए थे। पुलिस को कार्रवाई करने की मांग की थी। फिलहाल अभी तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। पारिवारिक सदस्यों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लें। वहीं, एजीआइ हाइट्स चौकी इंचार्ज सुरजीत सिंह ने कहा कि युवक दुकान में पेंट कर रहा था कि अचानक उसे करंट लग गया।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर श्री आनंदपुर साहिब में हुआ भव्य आयोजन, तीन दिन तक चला कार्यक्रम

पंजाब : श्री आनंदपुर साहिब में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर पंजाब सरकार द्वारा 23 से 25 नवंबर 2025 तक तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस समागम में अखंड पाठ, प्रदर्शनी, सर्व धर्म सम्मेलन और ड्रोन शो जैसे कार्यक्रम होंगे, जो सिख इतिहास, मानवता और बलिदान की विरासत को दशाएँगे। यह आयोजन पंजाब की भावनाओं का सम्मान है। श्री आनंदपुर साहिब में इस साल एक ऐसा समागम होने जा रहा है, जिसे पूरे पंजाब में बेहद श्रद्धा और गर्व के साथ देखा जा रहा है। पंजाब सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी, भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी के 350वें शहीदी दिवस को यादगार बनाने के लिए तीन दिन का विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया है। यह समागम 23 से 25 नवंबर 2025 तक चलेगा, और इसका हर पल सिख इतिहास, मानवता और बलिदान की उस

विरासत से जोड़ता है, जिस पर पूरा पंजाब गर्व करता है। 23 नवंबर से शुरू हो रहा यह कार्यक्रम एक गहरी आध्यात्मिक वातावरण के साथ आरंभ होगा। सुबह संगत रूपी मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान और राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में अखंड पाठ की शुरूआत होगी। जो यह संदेश देता है कि सिख परंपरा में श्रद्धा और सेवा की भावना सबसे पहले है। इसके बाद गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा। यह प्रदर्शनी खासतौर पर युवाओं को यह समझाने के लिए तैयार की गई है कि गुरु साहिबान ने अपने प्राण देकर धर्म, मानवाधिकार और इंसानियत की रक्षा क्यों और कैसे की थी। सिख समुदाय को ही नहीं, पूरी मानवता का संदेश 23 नवंबर को ही सुबह 11 बजे सर्व धर्म सम्मेलन होगा, जहां अलग-अलग धर्मों, समुदायों और विचारधाराओं से जुड़े लोग एकता, भाईचारे और मानवाधिकारों पर अपनी बातें साझा करेंगे। यह सम्मेलन दिखाता है कि सिख इतिहास केवल सिख समुदाय का इतिहास नहीं, बल्कि पूरी मानवता का संदेश है, दूसरों की रक्षा करना, सच के लिए खड़े होना और हर मत का सम्मान करना। शाम को विरासत-ए-खालसा और जुड़े हुए महत्वपूर्ण स्मारकों का गाइडेड टूर रखा गया है, ताकि लोग अपनी जड़ों, अपनी परंपराओं और अपने इतिहास को सामने से महसूस कर सकें। रात को होने वाला ड्रोन शो इस कार्यक्रम की खूबसूरती को और बढ़ा देगा। जहां रोशनी के माध्यम से गुरु साहिबान की शहादत, खालसा पंथ की विरासत और पंजाब के गौरव को आधुनिक अंदाज में दिखाया जाएगा। सिख धर्म दुनिया भर में साहस और बलिदान व मानवता का प्रतीक तीन दिनों तक कथा, कीर्तन, भक्ति, संगत और सेवा का ऐसा माहौल बनेगा कि हर आने वाला व्यक्ति अपने दिल में गुरु साहिबानों के प्रति और अधिक सम्मान लेकर जाएगा। लोगों में इस समागम को लेकर गहरी श्रद्धा है। हर किसी का मानना है कि पंजाब सरकार ने इस आयोजन को इतने सम्मान और भव्यता से मनाने का फैसला लेकर पूरे पंजाब की भावनाओं को सही मायनों में सम्मान दिया है।

पंजाब पुलिस की गुंडागर्दी: व्यक्ति से मारपीट; पीड़ित बोला- गोली मार दो, अधिकारी ने कहा- ये इच्छा भी पूरी देंगे

अमृतसर : जगपाल सिंह ने आरोप लगाया कि थाने पहुंचने के बाद अधिकारी ने न सिर्फ दुर्व्यवहार किया, बल्कि उसे साइबर क्राइम कार्यालय के सामने बने एक कमरे में ले गए। जहां कमरा बंद कर उसके साथ मारपीट की गई। पंजाब पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर उसके साथ मारपीट की है। घटना खन्ना की है। व्यक्ति को इस कदर मारा गया है कि वह अस्पताल में भर्ती है। सिविल अस्पताल खन्ना में भर्ती पीड़ित जगपाल सिंह ने साइबर क्राइम थाने के अधिकारी सनोज कुमार पर मारपीट, दुर्व्यवहार और उनकी दस्तार (पगड़ी) उतारने का भी गंभीर आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मारपीट जैसी कोई बात सामने नहीं आई है, लेकिन मामले की जांच जारी है। जगपाल सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले खन्ना सिविल अस्पताल में उनकी पत्नी जो अब अलग रहती है, उससे कहासुनी हो गई थी। पत्नी ने जगपाल सिंह के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी थी। साइबर क्राइम के अधिकारी परमिंदर गिल ने जगपाल सिंह को फोन कर कहा कि ने उसे थाने आने के लिए कहा था। कमरा बंद कर की मारपीट जगपाल सिंह ने आरोप लगाया कि थाने पहुंचने के बाद अधिकारी ने न सिर्फ दुर्व्यवहार किया, बल्कि उसे साइबर क्राइम

कार्यालय के सामने बने एक कमरे में ले गए। जहां कमरा बंद कर उसके साथ मारपीट की गई। उसकी दस्तार तक उतर गई। जब जगपाल ने कहा कि मैं तो पहले से बहुत दुखी हूं आप मुझे गोली मार दो। इस पर वहां पर मौजूद अधिकारी मनजीत सिंह ने कहा आपकी यह इच्छा भी पूरी कर देंगे। पुलिस द्वारा मारपीट के बाद पीड़ित को खन्ना सरकारी अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। अभी मारपीट की बात नहीं, जांच निष्पक्ष होगी- डीएसपी इस संबध में साइबर थाने के डीएसपी मोहित सिंगला का कहना है कि पति-पत्नी के झगड़े की शिकायत साइबर क्राइम नहीं देखता, लेकिन इस मामले में महिला द्वारा फोटो संबंधी शिकायत साइबर क्राइम को दी गई थी। इस कारण जसपाल सिंह को बुलाया गया था। जांच में मारपीट जैसी कोई बात सामने नहीं आई है।

पंजाब में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर होगा भव्य आयोजन श्री आनंदपुर साहिब में होगा श्रद्धा, संस्कृति और इतिहास का संगम

पंजाब : श्री आनंदपुर साहिब में गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर तीन दिवसीय समागम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में अखंड पाठ, प्रदर्शनी, नगर कीर्तन, हेरिटेज वॉक, विधानसभा सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम और ड्रोन शो शामिल होंगे। यह समागम सिख इतिहास, संस्कृति और शहादत को समर्पित है, जिसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को सिख विरासत से जोड़ना है। यह आयोजन श्रद्धा और गर्व का प्रतीक है। डिजिटल डेस्क, चंडीगढ़। श्री आनंदपुर साहिब एक बार फिर पंजाब की आध्यात्मिक धड़कन बनने जा रहा है। सिर्फ दो दिन बाद 23 नवंबर से श्री गुरु तेग बहादुर जी, भाई मती दास जी, भाई सती दास जी और भाई दयाला जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित तीन दिवसीय भव्य समागम शुरू होने वाला है। पूरा पंजाब इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर भावनाओं, श्रद्धा और गर्व से भरा हुआ है। पंजाब सरकार ने जिस सम्मान, संवेदनशीलता और भव्यता के साथ इस कार्यक्रम की तैयारी की है, उसकी पूरे प्रदेश में बेहद सराहना हो रही है। इस समागम का उद्देश्य सिर्फ इतिहास को याद करना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सिख पंथ की उस विरासत से जोड़ना है जिसने हमेशा मानवता, न्याय और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान केवल सिख इतिहास की घटना नहीं, बल्कि दुनिया को मानव अधिकारों का सबसे बड़ा संदेश है, दूसरों की आस्था और स्वतंत्रता के लिए अपना

प्राण तक दे देना। 23 नवंबर को समागम की शुरूआत अखंड पाठ, प्रदर्शनी और सर्व धर्म सम्मेलन के साथ होगी, और अगले दिन 24 नवंबर का पूरा कार्यक्रम सिख इतिहास, संस्कृति और शहादत की गहरी समझ को लोगों तक पहुंचाने के लिए बनाया गया है। सुबह शीश भेंथ नगर कीर्तन से दिन की शुरूआत होगी। यह नगर कीर्तन सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक रास्ते की स्मृति है जहां भाई जैता जी गुरु तेग बहादुर जी के सिस को सुरक्षित लाकर आनंदपुर साहिब तक ले आए थे। इस यात्रा को आज भी सिख पंथ में सबसे पवित्र और मार्मिक घटनाओं में गिना जाता है। इसके बाद विरासत से भरा हेरिटेज वॉक होगा, गुरुद्वारा भौरा साहिब, शीश गंज साहिब, गुरु तेग बहादुर म्यूज़ियम, तख़्त श्री केसगढ़ साहिब, कि ला आनंदगढ़ साहिब और विरासत-ए-खालसा तक की इस यात्रा में हर कदम इतिहास का अनुभव कराता है। पंजाब सरकार ने इस वॉक को बेहद सुंदर और जानकारीपूर्ण तरीके से तैयार किया है, ताकि हर आगंतुक गुरु साहिब की शहादत और आनंदपुर की विरासत को महसूस कर सके। सुबह 11 बजे श्री गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित विशेष विधानसभा सत्र होगा। यह सिख इतिहास में पहली बार हो रहा है कि राज्य की विधान सभा खुद शहीदी दिवस को आधिकारिक रूप से सम्मान दे रही है। यह कदम पंजाब सरकार की उस गहरी श्रद्धा को दिखाता है जो वह गुरु साहिबानों के प्रति रखती है। इसके बाद शुरू होगा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों का श्रृंखला धाडी वार, कविशर दरबार, नाटक, कविताएँ, और गुरु साहिब की शिक्षाओं पर आधारित प्रस्तुतियाँ। पंजाब की लोक परंपरा और आध्यात्मिक विरासत का ऐसा सुंदर संगम लोगों के दिलों को छू लेगा। शाम को चरन गंगा स्टेडियम में गतका, तलवारबाजी, शस्त्र दर्शन और समागम की विशेष प्रस्तुतियाँ होंगी। जहाँ वीरता, मयार्दा और खालसा पंथ की परंपरा को अद्भुत अंदाज में दिखाया जाएगा। इसके बाद विरासत-ए-खालसा में शानदार ड्रोन शो होगा, जहाँ रोशनी के जरिए गुरु तेग बहादुर जी की जीवन यात्रा और शहादत को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। रात को कथा और कीर्तन दरबार पूरे वातावरण को आध्यात्मिक शांति से भर देगा। जनभावना साफ है, पंजाब सरकार ने इस तीन दिवसीय समागम को सिर्फ आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि श्रद्धा के पर्व के रूप में तैयार किया है।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूएचओ में होगी 2 हजार कर्मियों की छंटनी

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पुष्टि की है कि उसके वैश्विक कार्यबल में अगले साल मध्य तक करीब 22 प्रतिशत की कमी आ जाएगी। यह कटौती 2,371 पदों की होगी, जिससे 2025 की शुरुआत में मौजूद 9,401 पदों की संख्या घटकर करीब 7,000 रह जाएगी। यह कदम उस समय उठाया जा रहा है, जब उसके सबसे बड़े दाता अमेरिका ने संगठन से बाहर होने का निर्णय लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने जनवरी 2025 में पद संभालते ही डब्ल्यूएचओ से बाहर निकलने की घोषणा कर दी थी।

पड़ोसी सूडान में ड्रोन हमले के बाद दक्षिण सूडान ने तेल निर्यात फिर से शुरू किया

खार्तूम, एजेंसी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पड़ोसी सूडान में दो प्रमुख तेल प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमलों के बाद सीमा पार परिचालन को आपातकालीन रूप से बंद करने के बाद दक्षिण सूडान ने कच्चे तेल का परिवहन और निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अवर सचिव देंग लुआल वोल ने जुबा में संवाददाताओं को बताया कि 'दक्षिण सूडान के सभी तेल क्षेत्रों में परिचालन सामान्य हो गया है' और कच्चा तेल फिर से पाइपलाइनों के माध्यम से लाल सागर स्थित पोर्ट सूडान के निर्यात टर्मिनलों तक पहुंच रहा है।

कोसोवो में सांसदों द्वारा सरकार चुनने में नाकामी के बाद जल्द चुनाव

प्रिस्तीना, एजेंसी। कोसोवो के सांसद बुधवार को नई सरकार चुनने में नाकाम रहे, जिससे इस छोटे से बाल्कन राष्ट्र में महीनों से चल रहे राजनीतिक संकट के बाद जल्द चुनाव का रास्ता साफ हो गया। प्रधानमंत्री पद के लिए मनोनीत ग्लौक कोनजुफ्का, सत्तारूढ़ सेल्फ-डिटरमिनेशन मूवमेंट पार्टी के, 120 सदस्यीय विधानसभा में 56 वोट हासिल कर पाए, जो चुनाव के लिए आवश्यक बहुमत से बस थोड़ा कम है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री अल्बिन कुर्ती की सत्तारूढ़ पार्टी के लिए यह मतदान एक बड़ा झटका है। पार्टी ने फरवरी में हुए चुनाव में सबसे अधिक वोट हासिल किए थे, लेकिन अकेले शासन करने के लिए पर्याप्त नहीं थे। तब से यह संसदीय बहुमत हासिल करने वाला कोई राजनीतिक गठबंधन बनाने में विफल रही है। राष्ट्रपति व्लोसा ओस्मानी को अब संसद भंग करनी होगी और 10 दिनों के भीतर जल्द चुनाव कराना होगा।

ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को सीएफपीबी का नेतृत्व करने के लिए नामित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने स्टुअर्ट लेवेनबैक को उपभोक्ता वित्तीय संरक्षण ब्यूरो (सीएफपीबी) के अगले निदेशक के रूप में नामित किया है। उन्होंने ऐसे व्यक्ति को चुना है, जिनके पास बैंकिंग या वित्तीय सेवाओं का कोई अनुभव नहीं है। यह ब्यूरो ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही निष्क्रिय पड़ा है। लेवेनबैक वर्तमान में प्रबंधन एवं बजट कार्यालय में एक सहयोगी निदेशक हैं और प्राकृतिक संसाधन, ऊर्जा, विज्ञान और जल संबंधी मुद्दों को संभालते हैं। लेवेनबैक के बायोडाटा में विज्ञान और प्राकृतिक संसाधन संबंधी मुद्दों से निपटने का अच्छा अनुभव दिखाई देता है, जहां उन्होंने ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्य किया था।

इंडोनेशिया में फिर फट उठा ज्वालामुखी, 13 किलोमीटर तक उड़ी राख

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने माउंट सेमेरू ज्वालामुखी में सिलसिलेवार और खौफनाक विस्फोटों के बाद बड़े स्तर पर अलर्ट जारी कर दिया है। हालात यह हैं कि कई गांवों को खाली कराया गया है और लोगों से एहतियातन ज्वालामुखी से कई किमी के दायरे से दूर रहने की सख्त चेतावनी दे दी गई है। इंडोनेशिया की भूविज्ञान एजेंसी ने एक बयान में बताया कि पर्यटन स्थल बाली से लगभग 310 किलोमीटर पश्चिम में पूर्वी जावा स्थित माउंट सेमेरू स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2 बजे फट गया। इंडोनेशिया का यह ज्वालामुखी सबसे घनी आबादी वाले द्वीप पर स्थित है। माउंट सेमेरू से गर्म राख और चट्टान, लावा और गैस के मिश्रण निकल रहे हैं जो बुधवार दोपहर से शाम तक कई बार ढलानों से सात किलोमीटर तक नीचे तक आ गए। वहीं गर्म बादल सतह से करीब दो किलोमीटर तक उठ गए हैं। एजेंसी ने बताया कि विस्फोटों के कारण कई गांव राख से ढक गए और अधिकारियों ने ज्वालामुखी को लेकर सतर्कता स्तर को उच्चतम कर दिया।

बॉर्डर के करीब आया रूस का जासूसी जहाज, ब्रिटेन की पुतिन को चेतावनी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने रूस को एक जासूसी जहाज को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की। ब्रिटेन ने कहा कि वह अपनी सीमाओं में किसी भी संभावित घुसपैठ से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बयान तब आया जब रूसी जासूसी जहाज यंतर स्कॉटलैंड के उत्तर में ब्रिटेन के जलक्षेत्र की सीमा के पास देखा गया। ब्रिटेन ने कहा कि जहाज को स्कॉटलैंड के उत्तर में उसके जलक्षेत्र के किनारे संचालित किया जा रहा है और इसने 'रॉयल एयर फोर्स' (आरएएफ) के पायलट पर लेजर भी दागे हैं।

रक्षा मंत्री जॉन हीली ने लंदन में अपने भाषण के दौरान कहा कि मेरा संदेश रूस और पुतिन के लिए यह है: हम आपको देख रहे हैं। हम जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं। और यदि यंतर इस सप्ताह दक्षिण की ओर बढ़ता है, तो हम तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आरएएफ के पायलट पिछले कुछ सप्ताहों से यांतर नामक रूसी पोत पर नजर रख रहे हैं, क्योंकि यह पोत ब्रिटेन के जलक्षेत्र में प्रवेश कर चुका है और यह देश के समुद्री बुनियादी ढांचे के लिए खतरा है।

रॉयल नेवी का एक फ्रिगेट और आरएएफ के पी-8 विमान तैनात : मंत्री ने कहा- हमने इस जहाज की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए रॉयल नेवी का एक फ्रिगेट और आरएएफ के पी-8 विमान तैनात किए। इस दौरान यांतर ने हमारे पायलट पर लेजर दागे। रूस की यह कार्रवाई बेहद खतरनाक है और इस साल यह दूसरी बार है जब यह जहाज, यांतर, ब्रिटेन के जलक्षेत्र में तैनात किया गया है। उन्होंने कहा- हमारी दुनिया बदल रही है। यह कम पूर्वानुमानित और अधिक खतरनाक हो गई है। पिछले साल ही हमने देखा है कि इजराइल-ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया है, भारत और पाकिस्तान के बीच सशस्त्र टकराव की खबरें आईं, हमारे देश में चीनी जासूसों द्वारा लोकतंत्र को निशाना बनाए जाने की घटनाएं सामने आईं, और पुतिन ने यूक्रेन में अपने युद्ध को और तेज कर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष ही हमने यूरोप के आसमान में ड्रोन हमलों को देखा है, नाटो हवाई क्षेत्र में रूसी घुसपैठ के मामले दोगुने हो गये है, तथा अकेले ब्रिटेन की रक्षा प्रणाली पर 90,000 साइबर हमले हुए हैं। हेली ने कहा कि यह खतरे का एक नया दौर है। इसके लिए रक्षा के एक नए युग, मजबूत सहयोगियों और सुदृढ़ कूटनीति के युग की जरूरत है। और जैसे-जैसे खतरा बढ़ता है, ब्रिटेन को आगे आना होगा और हम आगे आ रहे हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि ब्रिटेन में कम से कम 13 स्थानों की पहचान की गई है, जहां भविष्य के कारखाने बनाकर ब्रिटेन की युद्ध तैयारियों को बढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह दो नये ड्रोन कारखाने खुलेंगे, जो इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन रक्षा क्षेत्र में नवाचार के मामले में अग्रणी है। रूसी दूतावास की सख्त प्रतिक्रिया ब्रिटेन की चेतावनी पर प्रतिक्रिया देते हुए लंदन स्थित रूसी दूतावास ने आरोप लगाया कि ब्रिटिश सरकार रूस-विरोधी प्रचार चला रही है और सैनिक उन्माद भड़का रही है। दूतावास ने बयान जारी करते हुए कहा कि मॉस्को की ब्रिटेन की सुरक्षा को कमजोर करने में कोई रुचि नहीं है।

यंतर क्यों है चिंता का कारण? ब्रिटिश अधिकारियों का कहना है कि यंतर रूसी नौसेना का हिस्सा है और इसे शांति काल में जासूसी तथा युद्धकाल में तोड़फोड़ के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी गतिविधियों का ब्रिटेन और उसके सहयोगी देश लगातार ट्रैक करते हैं। हीली ने कहा कि यह जहाज और इससे जुड़े अन्य रूसी पोत ब्रिटेन और उसके सहयोगियों के समुद्र के नीचे बिछे इंफ्रास्ट्रक्चर- जैसे पाइपलाइन और संचार केबल को जोखिम में डालने के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने इस साल बाल्टिक सागर में पाइपलाइन और केबलों पर हुए हमलों का भी उल्लेख किया। यह पहली बार नहीं है जब यंतर ने ब्रिटेन की चौकसी को परखा हो। पिछले वर्ष चेतावनी मिलने के बाद यंतर वहां से भूमध्य सागर की ओर चला गया था। इस साल जनवरी में जब यह जहाज़ इंग्लिश चैनल से गुज़रा, तो ब्रिटेन के फ्रिगेट एचएमएस समरसेट ने उसका पीछा किया था।

डोनाल्ड ट्रंप की 28 साल की अधिकारी ने 60 के शख्स से की शादी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन यानी वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट की उम्र महज 28 साल ही है, लेकिन उनकी शादी 60 वर्ष के निकोलस रिकियो से हुई है। इस शादी को लेकर अकसर चर्चाएं रही हैं क्योंकि दोनों के बीच उम्र का फासला काफी अधिक है। अब इसे लेकर कैरोलिन ने एक पॉडकास्ट में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि यह असामान्य बात है कि हम दोनों के बीच उम्र का फासला इतना अधिक है। यहां तक कि मेरे पति की उम्र तो मेरी मां से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि इस शादी को लेकर मेरे पैरेंट्स को भी शुरुआत में दिक्कतें थीं और वे इसे लेकर सहज नहीं थे। उनसे पॉडकास्ट में पूछा गया कि आपको अपनी उम्र के लड़के नहीं मिले, जो मैच्योर भी हों? इस पर लेविट ने हंसते हुए जवाब दिया कि यदि आप सच्चाई जानना चाहते हैं और ईमानदारी से कहूं तो यही सच है। उन्होंने कहा कि मेरी अपने रियल एस्टेट डिवेलपर पति निकोलस रिकियो से 2022 में मुलाकात हुई थी। हमारी मीटिंग एक म्युचूअल फ्रेंड के माध्यम से हुई थी। उस समय लेविट न्यू हैंपशायर से चुनाव में उतरी थीं, जहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। लेविट ने स्वीकार किया कि मेरे पैरेंट्स को इस रिश्ते को स्वीकार करने में समय लगा और शुरुआत में वे इससे असहमत थे। ऐसा इसलिए भी था कि मेरे पति रिकियो की उम्र मेरी मां से भी अधिक है। प्रेस सचिव लेविट ने कहा कि शुरुआत में इस रिश्ते पर आगे बढ़ने में मुश्किल हुई थी। लेविट ने कहा कि मैंने जब पहली बार रिकियो को देखा तो सोचा कि यह कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पारिवारिक रिश्ते भी काफी अच्छे हैं। हम सभी एक दोस्त की तरह हैं। मेरे पति मेरे पैरेंट्स का बहुत सम्मान करते हैं। हम सभी लोग जब मिलते हैं तो बहुत मस्ती और मजाक भी होता है। उन्होंने कहा कि मेरे पति शानदार व्यक्ति हैं। उनकी उम्र पर जाना ठीक नहीं है। वह सेल्फ मेड इंसान हैं और काफी शानदार हैं।

मंगल पर नासा ने खोजा रहस्यमय 'एलियन पत्थर', ग्रह की प्राकृतिक बनावट से बिल्कुल अलग; वैज्ञानिक हैरान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के परसेवरेंस रोवर ने मंगल की सतह पर एक रहस्यमय पत्थर खोजा है। यह पत्थर लाल ग्रह की प्राकृतिक और भौगोलिक संरचना से बिल्कुल मेल नहीं खाता। वैज्ञानिकों ने 80 सेंटीमीटर लंबे इस पत्थर को फिप्साक्सला नाम दिया है। फिलहाल वे इसे एलियन रॉक के नजरिये से ही देख रहे हैं। इस पत्थर को 19 सितंबर, 2025 को लेफ्ट मास्टकैम-जेड कैमरे से तस्वीरों में कैद किया गया। उस समय रोवर जेजेरो क्रेटर के पास वर्नोडेन क्षेत्र की चट्टानों का नियमित अध्ययन कर रहा था। नासा ने इस खोज को अपने एक ब्लॉग में इस खोज को साझा किया है।

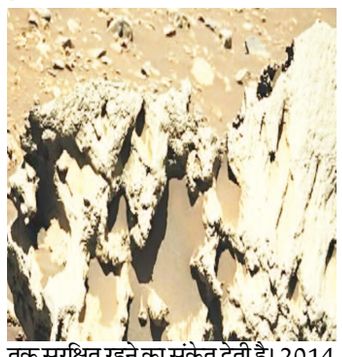

किसी अन्य सौरमंडल का हिस्सा हो सकता है फिप्साक्सला : यह पत्थर एक छोटी डेस्क जैसा दिखता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि हो सकता है कि फिप्साक्सला को किसी अन्य सौरमंडल से यहां लाया गया हो। दूसरा तर्क यह भी है कि यह किसी प्राचीन उल्कापिंड वर्षा का परिणाम हो सकता है। यह चट्टान जिस बेडरॉक पर टिकी है वह इसके लंबे समय तक सुरक्षित रहने का संकेत देती है। 2014 में मिला था लेबनान उल्कापिंड क्यूरियोसिटी रोवर ने 2014 में दो मीटर चौड़े लेबनान और 2023 में काकाओ नामक उल्कापिंड खोजे थे। इन खोजों के बाद वैज्ञानिक उम्मीद कर रहे थे कि जेजेरो में भी ऐसी धात्विक चट्टानें मिलेंगी, क्योंकि यह क्षेत्र काफी पुराना है और यहां अनेक छोटे प्रभाव-गड्ढे मौजूद हैं। यह उल्कापिंडों के नियमित गिरने का संकेत देते हैं। नासा अब इस रहस्यमयी चट्टान के इतिहास और उत्पत्ति की पुष्टि के लिए आगे की जांच कर रहा है।

दुनिया के सामने आएगा एपस्टीन फाइल में छिपा राज, ट्रंप ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने को दी मंजूरी

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन की जांच से जुड़ी फाइलें जारी करने वाले बिल पर साइन कर दिया है। ट्रंप ने बुधवार देर शाम को इस बात की जानकारी दी। कांग्रेस ने इस बिल को पहले पास किया था। इसके तहत डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस को यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन के गलत कामों की अपनी जांच से मिली सारी जानकारी 30 दिनों के अंदर सर्च और डाउनलोड करने लायक फॉर्मेट में रिलीज करनी होगी। हालांकि, शुरुआत में ट्रंप ने इसका खुलकर विरोध किया था। जेफरी एपस्टीन एक दोषी यौन अपराधी था जिसकी 2019 में फेडरल कस्टडी में मौत हो गई थी। इससे पहले यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने मंगलवार को बिल पास करने के लिए 427-1 से वोट किया और बाद में सीनेट ने इसे मंजूरी दे दी। वोट से पहले दोनों पार्टियों के

बीच संसद में तीखी बहस देखने को मिली। दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर डॉक्यूमेंट्स तक पब्लिक एक्सेस में देरी करने का आरोप लगाया। स्पीकर माइक जॉनसन ने ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'प्रेसिडेंट का इससे कोई लेना-देना नहीं है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। स्पीकर ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने का समर्थन तो किया, लेकिन डेमोक्रेट्स की इसे अभी आगे बढ़ाने के लिए आलोचना की। दरअसल ट्रंप प्रशासन ने एपस्टीन के सभी डॉक्यूमेंट्स जारी करने का महीनों तक विरोध किया था, लेकिन पिछले रविवार को ट्रंप ने कहा कि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में उनकी पार्टी के सदस्य फाइलों के खजाने को खोलने के लिए कानून के लिए वोट कर सकते हैं। ट्रंप कहा, 'यह डेमोक्रेट्स की प्रॉब्लम है। वे एपस्टीन के दोस्त थे। दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर डेमोक्रेट्स को घेरते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, 'जेफरी एपस्टीन (जिन पर 2019 में ट्रंप जस्टिस डिपार्टमेंट ने आरोप लगाया था) पूरी जिंदगी डेमोक्रेट रहे। उन्होंने डेमोक्रेट नेताओं को हजारों डॉलर दान किए और कई जाने-माने डेमोक्रेट लोगों से गहराई से जुड़े थे, जैसे बिल क्लिंटन (जिन्होंने उनके प्लेन में 26 बार सफर किया), लैरी समर्स (जिन्होंने हाल ही में हार्वर्ड समेत कई बोर्ड से इस्तीफा दिया है), पॉलिटिकल एक्टिविस्ट रीड हॉफमैन, माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज (जिन्होंने एपस्टीन पर आरोप लगने के बाद उनसे अपने कैंपेन के लिए दान करने को कहा था), डेमोक्रेट कांग्रेस वुमन स्टेसी प्लास्केट और भी कई।' उन्होंने आगे कहा, 'शायद इन डेमोक्रेट्स और जेफरी एपस्टीन के साथ उनके जुड़ाव की सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी, क्योंकि मैंने अभी एपस्टीन की फाइलें जारी करने के लिए बिल पर साइन किया है। जैसा कि सभी जानते हैं, मैंने हाउस के स्पीकर माइक जॉनसन और सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून से इस बिल को हाउस और सीनेट में पास करने के लिए कहा था। मेरे कहने पर, डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने पहले ही कांग्रेस को करीब पचास हजार पेज के डॉक्यूमेंट्स सौंप दिए हैं। मत भूलिए, बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने डेमोक्रेट एपस्टीन से जुड़ी एक भी फाइल या पेज नहीं सौंपा और न ही उन्होंने कभी उनके बारे में बात की।

नेपाल: जेन-जी आंदोलन में 80 अरब की संपत्ति का नुकसान, उद्योगों से लेकर सरकारी ढांचे तक बड़ा नुकसान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आठ सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन और नौ सितंबर को हुए प्रदर्शन के दौरान 8,000 करोड़ (80 अरब) से अधिक नेपाली रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। अर्थ (फाइनेंस) मंत्रालय के अनुसार, जेन-जी प्रदर्शन के दौरान देशभर में सार्वजनिक संपत्ति, निजी व्यवसाय, संस्थान व व्यावसायिक समूहों को मिलाकर 80.22 अरब नेपाली रुपये की क्षति की प्रारंभिक रिपोर्ट आई है। क्षति मूल्यांकन तथा पुनर्निर्माण अध्ययन उपसमिति ने प्रारंभिक रिपोर्ट पर अर्थ मंत्रालय में चर्चा की। सरकार जहां लगभग एक खरब रुपये तक की क्षति का अनुमान लगा रही थी, वहीं उपसमिति की प्रारंभिक रिपोर्ट में यह राशि उससे लगभग 20 अरब रुपये कम बताई गई है। 80.22 अरब में से 39 अरब रुपये का निजी क्षेत्र को, 28 अरब का संघीय सरकार को, चार अरब का प्रांतीय सरकारों को तथा नौ अरब का स्थानीय संरचनाओं व उद्योग व्यवसायों को नुकसान हुआ है। बैठक में उपसमिति ने बताया कि अभी अंतिम विवरण आना बाकी है।

जेन-जी और ओली समर्थकों में हुआ टकराव, कर्फ्यू : भारत के सीमावर्ती नेपाल के बारा जिले में जेन-जी व सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। इसके बाद क्षेत्र में बुधवार को कर्फ्यू लागू कर दिया गया। सीपीएन-यूएमएल अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी है। बारा जिले के प्रशासनिक कार्यालय ने बताया कि सिमारा हवाईअड्डे के 500 मीटर के दायरे में दोपहर 12:30 बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू रहेगा। यह फैसला जेन-जी व पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थकों के बीच टकराव के बाद लेना पड़ा। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ युवाओं की नारेबाजी के बाद बढ़ा तनाव पुलिस ने बताया कि बड़ी संख्या में युवा सिमारा हवाईअड्डे पर जुट गए और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इसके बाद दोनों पक्षों में टकरवा हो गया। यह टकराव उस समय हुआ, जब पार्टी महासचिव शंकर पोखरेल व युवा नेता महेश बस्नेत काठमांडो से सिमारा आने वाले थे, जहां दोनों नेता सरकार विरोधी रैली को संबोधित करने वाले थे।

आज ममदानी से मिलेंगे ट्रंप, जुबानी वार-पटलवार के बीच पहली बार होगा आमना-सामना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी उनसे शुक्रवार, 21 नवंबर को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। ट्रंप ने लिखा, 'कम्युनिस्ट मेयर ऑफ न्यूयॉर्क सिटी, जोहरान 'क्वामे' ममदानी ने मुलाकात का अनुरोध किया है। हम शुक्रवार को ओवल ऑफिस में मिलने पर सहमत हुए हैं। आगे और जानकारी दी जाएगी।'

चुनाव से पहले और बाद में तीखी बयानबाजी : ट्रंप और ममदानी के बीच चुनाव अभियान के दौरान से ही तीखा राजनीतिक टकराव चलता रहा है। ट्रंप ने चुनाव से ठीक पहले कहा था कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए 'पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही' साबित होगी। वहीं, जीत के बाद अपने जोशीले भाषण में ममदानी ने ट्रंप पर सीधा निशाना साधते हुए कहा था कि न्यूयॉर्क 'प्रवासी लोगों से चलता है, और अब एक प्रवासी इसे नेतृत्व देगा। उन्होंने ट्रंप को चुनौती देते हुए कहा, 'अगर किसी को ट्रंप को हराना आता है, तो वह वही शहर है जिसने उन्हें जन्म दिया। और अगर किसी तानाशाह को डराना है, तो उसकी सत्ता की बुनियाद को बदल दो। ट्रंप, अगर आप देख रहे हैं, तो वॉल्यूम बढ़ा लीजिए।'

ट्रंप की प्रतिक्रिया- 'बहुत गुस्से वाला भाषण' : ट्रंप ने ममदानी के भाषण को 'बहुत गुस्से से भरा' बताया और कहा कि इस रवैये से वे सफल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पहल ममदानी को करनी चाहिए थी, 'मैं तो यहां हूं। देखेंगे क्या होता है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें ही पहले संपर्क करना चाहिए था।' इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि 'मैं चाहता हूं कि नया मेयर अच्छा करे, क्योंकि मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं।'

कम्युनिज्म नहीं चला है- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ममदानी को 'कम्युनिस्ट' कहते रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि 'हजारों वर्षों में कम्युनिज्म कभी काम नहीं कर पाया है। मुझे नहीं लगता कि इस बार भी चलेगा।'

न्यूयॉर्क को मिला पहला दक्षिण एशियाई, मुस्लिम मेयर : जोहरान ममदानी ने बेहद कड़े मुकाबले में यह ऐतिहासिक जीत हासिल की। वे अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क का नेतृत्व करने वाले पहले दक्षिण एशियाई और पहले मुस्लिम नेता बन गए हैं। उन्होंने रिपब्लिकन कैंडिडेट कर्टिस स्लिवा और पूर्व न्यूयॉर्क गवर्नर एंड्र्यू क्यूओमो को हराया। क्यूओमो को चुनाव से ठीक पहले ट्रंप का समर्थन मिला था, फिर भी वह हार गए।

यूक्रेन के लिए योजना बना रहा अमेरिका, शांति बहाली के लिए भेजे गए शीर्ष सैन्य अधिकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए एक गोपनीय योजना पर काम कर रहा है। इस योजना से जुड़े एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि यह ट्रंप के कार्यकाल के सबसे अहम कूटनीतिक प्रयासों में से एक है। सीएनएन के मुताबिक राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच चल रही गोपनीय बातचीत के मुख्य चेहरे हैं। वह इन वार्ताओं का नेतृत्व कर रहे हैं।

सूत्र ने कहा कि अमेरिकी अदिकारियों का मानना है कि क्रेमलिन किसी संभावित समझौते में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है, इसलिए इस हफ्ते बातचीत में तेजी आई है। इसी बीच सेना के सचिव डैन ड्रिस्कॉल बुधवार को रक्षा मंत्रालय (जिसका नाम बदलकर अब युद्ध मंत्रालय कर दिया गया है) के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम के साथ यूक्रेन पहुंचे। सेना के प्रवक्ता कर्नल डेव बटलर ने कहा कि वह युद्ध खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा करने और यूक्रेनी अधिकारियों से मिलने के लिए तथ्य जांच (फैक्ट-चेक) मिशन पर आए हैं। अमेरिका के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि यह दौरा राष्ट्रपति के आदेश पर किया गया है, ताकि सरकार के शांति प्रयासों को फिर से आगे बढ़ाया जा सके। रिपोर्ट में बताया गया है कि ड्रिस्कॉल राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अन्य शीर्ष यूक्रेनी नेताओं को युद्ध की वास्तविक स्थिति, हथियारों की जरूरत और संभावित कूटनीतिक तरीकों के बारे में जानकारी देंगे। इस यात्रा की जानकारी सबसे पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी थी। यूक्रेन के रक्षा मंत्री डेनिस श्मिहाल ने टेलीग्राम पर ड्रिस्कॉल के साथ अपनी बैठक की पुष्टि की और दोनों की एक तस्वीर साझा की। उन्होंने हर दिन

यूक्रेनी नागरिकों की जान बचाने में अमेरिकी समर्थन के लिए उनका आभार जताया। ड्रिस्कॉल पहले की बैठकों में नजर नहीं आए थे। लेकिन वह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। दोनों येल लॉ स्कूल में साथ थे। ड्रिस्कॉल मुख्य रूप से रक्षा खरीद के मामलों पर काम करते रहे हैं। उनके साथ आने वाले अन्य वरिष्ठ अधिकारियों में आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज, यूरोप में अमेरिकी सेना के शीर्ष कमांडर जनरल क्रिस डोनाह्यू और आर्मी के सार्जेंट मेजर माइकल वैमर भी शामिल थे। रूस के अधिकारियों ने भी शीर्ष स्तर पर वार्ता जारी होने की पुष्टि की और सीएनएन को बताया कि अमेरिका-रूस की बातचीत जारी है, जिसमें विटकॉफ भी शामिल हैं। रूसी विशेष दूत किरिल दिमित्रिएव ने अक्तूबर में अमेरिका का दौरा किया था, जहां उन्होंने कई बैठकें कीं। एक रूसी सूत्र ने इन बैठकों को 'बहुत उत्पादक चर्चा' बताया। एक्सिओस की एक रिपोर्ट में कहा गया कि वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच जिस मसौदे पर बातचीत हो रही है, वह 28 बिंदुओं का है और इसमें यूक्रेन व यूरोप की सुरक्षा गारंटी, साथ ही अमेरिका के दोनों देशों के साथ भविष्य के संबंधों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। जब इस बारे में पूछा गया, तो क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने रिपोर्ट को कम महत्व दिया और कहा कि अभी बताने के लिए कुछ नई चीज नहीं है।

एशेज में पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा, कुल 19 विकेट गिरे

–इंग्लैंड पहली पारी 172, ऑस्ट्रेलिया 123/9

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज क्रिकेट सीरीज के का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा और एक ही दिन में कुल 19 विकेट गिरे। मिचेल स्टार्क की घातक गेंदबाज से ऑस्ट्रेलिया ने यहां शुक्रवार से शुरु हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के पहले टेस्ट मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड को पहली पारी में 172 रनों पर ही आउट कर दिया। स्टार्क ने 7 विकेट लेकर इंग्लैंड टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 123 रन बनाए हैं। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड से 49 रन पीछे है। दिन का खेल समाप्त होने के समया नाथन लियोन 3 और ब्रैंडन डॉगेट 0 पर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी खराब रही। ऑस्ट्रेलिया ने वेदराल्ड के साथ ओपनिंग के लिए उस्मान ख्वाजा की जगह मार्नस लाबुशेन को भेजा था। डेब्यू कर रहे वेदराल्ड खाता खोले बिना आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया।

दूसरा विकेट मार्नस लाबुशेन (9) का गिरा। आर्चर ने उन्हें बोल्ड किया। कप्तानी कर रहे स्टीव स्मिथ भी 17 रन बनाकर आउट हो गये। ब्रायडन कार्स ने उन्हें हैरी ब्रूक के हाथों लपकवाया। अनुभवी उस्मान ख्वाजा 2 रन पर पेवेलियन लौटे।

इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ। इंग्लैंड की टीम ने शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली का विकेट खो दिया। उस समय तक इंग्लैंड का एक भी रन नहीं था। इसके बाद ओली पोप ने बेन डकेट के साथ मिलकर 34 गेंदों में 33 रन बनाये पर डकेट 20 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद स्टार बल्लेबाज जो रूट भी खाता खोले बिना ही स्टार्क का शिकार बने।

टीम ने 39 रनों पर ही अपने तीन विकेट खो दिये थे ये सभी विकेट स्टार्क ने अपने नाम किए थे। इसके बाद ओली पोप ने हैरी ब्रूक के साथ चौथे विकेट के लिए 67 गेंदों में 55 रन की साझेदारी की। ओली पोप 58 गेंदों में 4

चौकों के साथ 46 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इंग्लैंड की टीम ने लंच तक 105 रनों पर ही चार विकेट खो दिये।

इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स ने हैरी ब्रूक के साथ पांचवें विकेट के लिए 21 रन बनाये, वहीं स्टोक्स के आउट होने के बाद जैमी स्मिथ ने ब्रूक के साथ मिलकर 30 गेंदों में 45 रन बनाये। ब्रूक ने 61 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 52 रन बनाए, जबकि जेमी स्मिथ ने 33 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्टार्क ने 12.5 ओवरों में 58 रन देकर 7 विकेट लिए। स्टार्क की गेंदबाजी के साथ अंग्रेज बल्लेबाज बेबस दिखे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि स्टार्क के चार ओवरों में एक भी रन नहीं बना। जबकि अपना पहला ही मैच खेल रहे ब्रेंडन डोगेट ने दो विकेट लिए। वहीं एक विकेट इस मैच से वापसी कर रहे कैमरून ग्रीन को मिला।

लक्ष्य सेन ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंचे, हमवतन आयुष शेट्टी को हराया

सिडनी (एजेंसी)। विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने शुक्रवार को यहां हमवतन भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी को सीधे गेम में हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने 53 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 21-11 से जीत हासिल कर अंतिम चार में प्रवेश किया, जहां उनका मुकाबला चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा, जो इस प्रतियोगिता में दूसरी वरीयता प्राप्त हैं। विश्व में नौवें स्थान पर काबिज और 2018 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता चोउ ने एक घंटे 23 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में फरहान अल्वी को 13-21, 23-21, 21-16 से हराया। अल्वी ने पिछले दौर में भारत के एचएस प्रणय को हराया था।

सेन ने इस वर्ष के शुरू में हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी 20 वर्षीय शेट्टी को हराया था। अल्मोड़ा का रहने वाला यह 26 वर्षीय खिलाड़ी इस साल अभी तक कोई खिताब नहीं जीत पाया है। सेन को शुरुआती गेम में शेट्टी को हराने में कठिनाई हुई। वह एक समय 6-9 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने 9-10 से पिछड़ने के बाद लगातार चार अंक जीते और 13-10 से बढ़त हासिल कर ली। अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैंपियन शेट्टी ने उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले में कई बार बढ़त हासिल की, लेकिन आखिर में सेन ने 21-21 से बराबरी कर ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

दूसरा गेम एकतरफा रहा, जिसमें सेन ने शुरुआत में 6-1 की बढ़त बना ली, जो कुछ ही देर में 15-7 हो गई और शेट्टी की चुनौती कमजोर पड़ गई। प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत के गुरुवार को बाहर हो जाने के बाद सेन पुरुष एकल में अब एकमात्र भारतीय बचे हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष युगल जोड़ी क्वार्टर फाइनल में फजर अल्फियन और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से भिड़ेगी।

स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बांए हाथ के पहले गेंदबाज बने

–रुट को आउट करने के साथ ही हासिल की अहम उपलब्धि

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हुई एशेज टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में सात विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही स्टार्क एशेज में 100 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के पहले गेंदबाज बन गये हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अपने शुरुआती स्पेल में ही स्टार्क ने घातक गेंदबाजी करते हुए ज़ैक क्रॉली, बेन डकेट और जो रूट को पेवेलियन भेज दिया। स्टाक ने क्रॉली को शून्य पर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डकेट का भी विकेट लिया। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज रूट भी उनसे बच नहीं पाये और अपना खाता भी नहीं खोल सके। रुट स्टार्क की गेंद पर मार्नस लाबुशेन के हाथों कैच हुए। इसी के साथ ही स्टार्क ने एशेज में अपना 100वां विकेट लिया। वह ऐसा करने वाले 21वें गेंदबाज रहे हैं।

पहले सत्र में ही स्टार्क ने 8 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट ले लिए। उनका 45.03 का स्ट्राइक रेट उन्हें सबसे बेहतर गेंदबाज़ बनाता है। साल 2013 में एशेज में डेब्यू के बाद से ही स्टार्क ने 23 टेस्ट में 26.77 के औसत से विकेट लिए हैं। एशेज में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दिग्गज स्पिनर शेन वार्न पहले नंबर पर हैं। वॉर्न के नाम 195 विकेट हैं। वहीं ग्लेन मैक्ग्रा के 157 वह स्टुअर्ट ब्रॉड के 153 विकेट हैं। एशेज में 100 विकेट लेने वाले वह ऑस्ट्रेलिया के 13वें गेंदबाज बने हैं।.

पैट कमिंस और चोटिल जोश हेजलवुड के बाहर होने से गेंदबाजी की कमान संभाल रहे स्टार्क ने मेहमान टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। स्टार्क के पास इस मैच में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। अकरम ने, अब तक सबसे ज्यादा 414 टेस्ट विकेट लिए हैं।

ऋषभ की कप्तानी में दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज बराबर करने उतरेगी भारतीय टीम

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय टीम शनिवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी के इरादे से उतरेगी। सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह इसमें 0-1 से पीछे है। भारतीय टीम अगर ये मैच भी हारती है तो दो मैचों की ये सीरीज उसके हाथों से निकल जाएगी। नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न होने से इस मैच से बाहर हैं। ऐसे में टीम की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे। ऋषभ के कप्तानी कौशल की इस मैच में परीक्षा होगी। शुभमन के बार होने से इस मैच में उनकी जगह साई सुदर्शन को शामिल किया जा सकता है। वहीं अक्षर पटेल की जगह पर नीतिश रेड्डी को अवसर मिल सकता है। पहले मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाये थे। ऐसे में इस मैच में बल्लेबाजों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए भी ये मैच अहम होगा क्योंकि उनके कोच बनने के बाद से ही भारतीय टीम अपनी धरती पर अधिकतर टेस्ट हारी है। इससे पिछले तीन दशकों से घरेलू मैदान पर खेलते हुए भारतीय टीमों की

अपराजेय रहने की छवि को धक्का लगा है। पिछले साल भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी तीन टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं इस बार दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर साइमन हार्मर उसके लिए पहेली बने हुए हैं। भारतीय बल्लेबाजों की स्पिनरों से निपटने की तकनीक कमजोर नजर आ रही है। इससे भी बल्लेबाजों का मनोबल गिरा है और वे बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे हैं।

इन कठिन हालातों में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने जा रहे ऋषभ की राह आसान नहीं है। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि लाल मिट्टी वाली बारसापारा की पिच पर उनकी और टीम की बल्लेबाजी ही इसको परिणाम तय करेगी।

शुभमन की जगह के लिए सुदर्शन सबसे प्रबल दावेदार लग रहे हैं, हालांकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे या पिछले मैच की तरह ही वाशिंगटन सुंदर को इस नंबर पर उतारा जाएगा, यह देखना अभी बाकी है। लाल गेंद की क्रिकेट में कप्तानी में अनुभव की बात करें तो ऋषभ ने साल 2017 में दिल्ली की टीम को रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया था पर कोलकाता में शुभमन के मैदान के बाहर जाने के बाद जिस प्रकार से उन्होंने फैसले लिए थे। उनको लेकर कई सवाल भी उठे हैं।

कोलकाता में तीसरे दिन सुबह मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह को उन्होंने गेंदबाजी नहीं दी थी जिससे भी भारत को नुकसान हुआ था। भारतीय टीम में बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं और ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर उन्हें शिकार बना सकते हैं। ये तभी हो सकता है जब बीसीसीआई के क्यूरेटर तापोश चटर्जी और आशीष भौमिक गुरुवार को ट्रैक पर नजर आ रही घास को हटा दें। वहीं भारतीय टीम प्रबंधन पिच को लेकर पहले टेस्ट वाली गलती नहीं दोहराना चाहेगा।

अक्षर या कुलदीप यादव की जगह पर इस मैच में नीतिश रेड्डी को जगह मिल सकती है। ऐसे में तीसरा तेज गेंदबाज होने से भारतीय टीम को नमी का लाभ उठाने में मदद मिल सकती है। अगर उनकी गेंदबाजी की जरूरत न हो तब भी दाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण वह विकेट पर उपयोगी साबित हो सकते हैं। वहीं दूसरी ओर तेम्बा बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम इस मैच में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड बनाना चाहेगी। बावुमा अच्छे फार्म में हैं। इसके अलावा टीम के पास एडेन मार्करम, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर,मार्को जानसन और केशव महाराज जैसे खिलाड़ी हैं। तेज गेंदबाज कासिगो रबाडा के फिट नहीं होने के कारण तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को इस मैच में शामिल किया जा सकता है।

टी20 ट्राई सीरीज : जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को 67 रनों से हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची

लाहौर।पाकिस्तान में जारी टी20 ट्राई सीरीज में जिम्बाब्वे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 67 रन से हरा दिया।इसे मैच में जिम्बाब्वे के गेंदबाजों के सामने श्रीलंकाइ टीम टिक नहीं पायी और 163 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 95 रनों पर ही आउट हो गयी।इस बड़ी जीत से जिम्बाब्वे का नेट रनरेट अब मेजबान पाकिस्तान टीम से भी अधिक हो गया है।इस जीत से जिम्बाब्वे तीन टीमों की ट्राई सीरीज की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है।जिम्बाब्वे और पाकिस्तान दोनो के ही दो-दो अंक हैं पर नेट रनरेट अधिक होने के कारण जिम्बाब्वे पहले नंबर पर है। इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय समय तक 20 ओवर में 8 विकेट पर 162 रन बनाए।सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाये।वहीं कप्तान सिकंदर रजा 47 रन बनाकर आउट हुए।दूसरी ओर श्रीलंका की ओर से स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए जबकि एहसान मलिंगा को दो विकेट मिले।जिम्बाब्वे ने इस प्रकार श्रीलंकाई टीम को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य दिया। श्रीलंका के केवल दो बल्लेबाज ही इस मैच में दो अंकों तक पहुंच पाये।कप्तान दासुन शनाका ने 34 जबकि भानुका राजपक्ष ने 11 रन बनाये।जिम्बाब्वे की ओर से ब्रेड इवांस ने 4 ओवर में 9 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि रिचर्ड नागरवा ने 2 विकेट लिए।

शुभमन अचानक ही मुम्बई पहुंचे, विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे

गुवाहटी । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से ठीक पहले अचानक ही मुम्बई पहुंच गये। यहां वह प्रसिद्ध आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे। पारदीवाला खेल के दौरान लगी चोटों की सर्जरी में विशेषज्ञ हैं। शुभमन मुम्बई रवाना होने के साथ ही दूसरे टेस्ट से बाहर हो गये हैं। शुभमन को कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में जकड़न आ गयी थी। इसी कारण उन्हें अस्पताल में भी भर्ती किया गया था। माना जा रहा है कि वह भी इस चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण वह कोलकाता में दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। बीसीसीआई ने कहा था कि शुभमन टीम के साथ गुवाहटी जाएंगे पर उनके खेलने पर फैसला उनकी चोट को देखते हुए ही होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को गुवाहाटी टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है और वह इसी के बाद ही मुंबई के लिए रवाना हो गये। इस कारण वह गुरुवार को अभ्यास के लिए भी नहीं पहुंचे थे। ये भी कहा गया है कि वह अगले दो-तीन दिन मुंबई में आराम करेंगे और फिर विशेषज्ञ डॉ.दिनशॉ पारदीवाला से जांच करायेंगे। अभी तक, उन्हें बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भेजे जाने की कोई योजना नहीं है। शुभमन के बाहर होने से ऋषभ पंत दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी संभालेंगे। पहले टेस्ट मैच में भी शुभमन के चोटिल होने के बाद उन्होंने कप्तानी की थी पर वह टीम को हार से नहीं बचा पाये थे।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप: खिताब का सपना टूटा, रोमांचक सेमीफाइनल में बांग्लादेश से हारा भारत

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ए का राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 में खिताब का सपना उस समय टूट गया जब टीम बांग्लादेश ए के खिलाफ रोमांचक सेमीफाइनल में सुपर ओवर में हार के बाद बाहर हो गई। भारत ए ने बांग्लादेश ए से मिले 194 रन के जवाब में इतने ही रन बनाए और मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। भारत ए ने सुपर ओवर में दो विकेट गंवाते हुए एक भी रन नहीं बना पाया। बांग्लादेश को सुपर ओवर में जीत के लिए मात्र एक रन की जरूरत थी और स्पिनर सुयश शर्मा ने पहली गेंद पर विकेट झटकने के बाद दूसरी गेंद वाइड फेंक दी।

इससे पहले पहले बैटिंग करते हुए हबीबुर रहमान सोहन 46 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 65 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। जीशान आलम ने 14 गेंदों पर तेजी से 26 रन बनाए, जबकि एसएम मेहरब ने 18 गेंदों पर

छह छक्कों और एक चौके की मदद से नाबाद 48 रन बनाकर बांग्लादेश ए को 190 के पार पहुंचाया। यासिर अली ने 9 गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाए। इनिंग में आखिरी समय में धमाकेदार बल्लेबाजी देखने को मिली, जिसमें मेहरब और यासिर अली ने आखिरी दो ओवरों में 50 रन बनाए।

मेहरब की पावर-हिटिंग में नमन धीर और विजयकुमार व्यशाक पर कई छक्के शामिल थे, जिसमें एक शानदार रिवर्स-स्वीप और लॉन्ग-ऑन पर फ्लैट पुल शामिल थे, जबकि यासिर अली ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाकर मोमेंटम बनाए रखा। बांग्लादेश ए ने बीच के ओवरों में रेगुलर विकेट गंवाए। गुरजपनीत सिंह ने जिशान और सोहन को आउट किया, जबकि नमन धीर ने महिदुल इस्लाम अंकोन (1) को आउट किया।

अन्य विकेटों में अकबर अली को हर्ष दुबे ने कैच एंड बोल्ड किया, और अबू हैदर को सुयश शर्मा ने आउट किया। इंडिया ए के गुरजपनीत सिंह ने 4 ओवर में 39 रन देकर 2 विकेट लिए। हर्ष दुबे, सुयश शर्मा, रमनदीप सिंह और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया। विजयकुमार व्यशाक ने अपने 4 ओवर में 51 रन दिए, जो डेथ ओवरों में महंगे साबित हुए।

स्मृति मंधाना को सिंगर पलाश ने किया प्रपोज , 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी

नवी मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना इसी माह 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेंगी। इससे पहले मंधाना को उनके मंगेतर व सिंगर पलाश मुच्छल ने डी वाय पाटिल स्टेडियम में प्रपोज़ किया। यह वही स्टेडियम है जिसमें भारतीय महिला टीम ने विश्वकप खिताब जीता था। पलाश द्वारा साझा किये वीडियो में वह स्मृति को पिच के बीच में ले जाते हुए और उन्हें अंगूठी पहनाते दिख रहे हैं। पलाश ने ये वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'उसने हां कह दिया।' इस वीडियो की शुरुआत में पलाश, स्मृति को स्टेडियम के बीच में ले जाते हैं। इस दौरान स्मृति की आंखों में पट्टी बंधी थी। वहीं जब वह आखिरकार आंखों से पट्टी हटाती है तो वह देखती है कि पलाश घुटनों पर बैठकर उसे प्रपोज़ कर रहा है। खुश और भावुक होकर स्मृति इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है। इसके कुछ ही देर बाद स्मृति और पलाश दोनों के दोस्त इस खास अवसर पर जश्न मनाने के लिए पिच के बीच में दौड़ते हैं। इस दौरान पलाश की बहन और सिंगर पलक मुच्छल भी उपस्थित थी। स्मृति और पलाश रविवार, 23 नवंबर को शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इस जोड़े को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक बधाई पत्र भेजकर शुभकामनाएं दीं हैं। वहीं स्मृति ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को एक मज़ेदार रील के ज़रिए यह खबर दी, जिसमें उनकी विश्व कप जीतने वाली टीम की साथी जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव सहित कई अन्य लोग भी थे। स्मृति साझा किए गए वीडियो में अपनी सगाई की अंगूठी दिखाती दिखीं। गौरतलब है कि स्मृति और पलाश का रिश्ता काफी लंबा और मज़बूत रहा है, उन्होंने अपने रिश्ते को ज्यादातर निजी रखा है और अपने-अपने करियर में एक-दूसरे का समर्थन किया है। पलाश को इस महीने की शुरुआत में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप फाइनल के दौरान स्मृति और भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाते हुए देखा गया था। स्मृति ने भारतीय टीम की जीत में महत्वूर्ण भूमिका निभाई थी।

बिग बैश लीग में ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हुई दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेटर

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग खेल रही दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर लिजेल ली ऑनलाइन ट्रोलिंग का शिकार हुई हैं।. विकेटकीपिंग में हुई गलती के बाद लिजेल ली पर कई आपत्तिजनका टिप्पणियां की गयीं। होबार्ट हरिकेंस और एडिलेड स्ट्राइकर्स के बीच होबार्ट के बेलेरिव ओवल में मुकाबले के दौरान उनपर मोटापे के लिए तंज कसे गये और उनका मजाक उड़ाया गया। यह विवाद हरिकेंस की पारी के 8.3वें ओवर में एक रन-आउट से बढ़ा। स्ट्राइकर्स की बल्लेबाज ब्रिजेट पैटरसन ने लॉरेन स्मिथ की एक गेंद को कवर की ओर खेला और एक रन लेने दौड़ गयीं। वहीं स्टंप के पीछे तैनात लिजेल ली लड़खड़ा गईं और रन आउट नहीं कर पायीं। विकेटकीपिंग में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लिजेल ली बल्ले से भी विफल रहीं। हालाकि उनकी टीम हरिकेंस 135 रन का लक्ष्य हासिल करने में सफल रहीं। ली ने 2013 में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के लिए पदार्पण किया और 100 एकदिवीसयस, 82 टी-20 और दो टेस्ट मैच खेले, उन्होंने 36.42 की औसत से 3,315 वनडे रन और टी-20 में 1,896 रन बनाए. ली ने 8 जुलाई 2022 को सभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

दूसरे टेस्ट से पहले ऋषभ पंत का बड़ा बयान, एक मैच की कप्तानी आदर्श नहीं

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी में शनिवार से शुरू होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण बाहर हो गए, और उनकी जगह टीम की कमान ऋषभ पंत को सौंपी गई है। शानदार फॉर्म में चल रहे पंत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में माना कि 'एक मैच की कप्तानी आदर्श स्थिति नहीं है', लेकिन उन्होंने इसे सम्मान बताया और कहा कि वह दबाव में आए बिना टीम को जीत दिलाने पर फोकस करेंगे। पहला टेस्ट हार चुकी भारतीय टीम इस मुकाबले में सीरीज़ बराबर करने के इरादे से उतरेगी।

कप्तानी को लेकर पंत का साफ बयान: 'ज्यादा नहीं सोचना चाहता'

दूसरे टेस्ट से पहले मीडिया से बात करते हुए ऋषभ पंत ने कहा कि वह इस मौके को बेहद खास मानते हैं, लेकिन कप्तान के रूप में अधिक सोचना टीम के लिए सही नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'एक मैच की कप्तानी सबसे आदर्श नहीं होती, लेकिन मैं बीसीसीआई का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे यह जिम्मेदारी दी। कई बार बड़े मौकों के बारे में ज्यादा सोचने से फायदा नहीं होता, इसलिए मैं चीजों को सिंपल ही रखना चाहता हूं।' पंत ने स्वीकार किया कि पहला टेस्ट बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब उनका पूरा ध्यान सीरीज़ को बचाने के लिए टीम की वापसी पर है।

भारत 1-0 से पीछे, गिल की अनुपस्थिति बढ़ी चुनौती

कोलकाता टेस्ट में गर्दन में ऐंठन के कारण शुभमन गिल मैदान से बाहर हो गए थे और बाद में वे अस्पताल में भर्ती भी हुए। इस वजह से न केवल भारत को टॉप-ऑर्डर में झटका लगा, बल्कि कप्तानी भी अचानक बदलनी पड़ी। दक्षिण अफ्रीका ने पहला टेस्ट जीतकर दो मैचों की सीरीज़ में 1-0 की बढ़त बना ली है। पंत ने गिल के लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, 'शुभमन मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित था। उसने चोट के बावजूद हिम्मत दिखाई, और टीम यही एटीट्यूड देखना चाहती है।'

गिल के रिप्लेसमेंट पर फैसला हो चुका: पंत ने दिए संकेत

टीम इंडिया गिल के विकल्प को लेकर सोच-विचार में थी, क्योंकि बाएं हाथ के बल्लेबाज पहले से ही लाइनअप में अधिक हैं। हालांकि, प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंत ने साफ कहा कि रिप्लेसमेंट तय हो चुका है। उन्होंने कहा, 'हमने यह फैसला कर लिया है कि शुभमन की जगह कौन खेलेगा। संबंधित खिलाड़ी को बता दिया गया है। अब टीम उसी के अनुसार तैयारी कर रही है।' हालांकि उन्होंने नाम उजागर नहीं किया, लेकिन संकेत साफ था कि चयन टीम के संतुलन को ध्यान में रखकर किया गया है।

रणनीति: पंत चाहते हैं 'कन्वेंशनल + आउट-ऑफ-बॉक्स' का परफेक्ट मिश्रण

पंत ने बताया कि उनकी कप्तानी शैली में दोनों तरह की सोच शामिल होगी—परंपरागत रणनीति और आधुनिक, आक्रामक सोच। उन्होंने कहा, 'मैं कन्वेंशनल रहूंगा, लेकिन साथ ही आउट-ऑफ-बॉक्स सोच को भी अपनाना चाहता हूं। बैलेंस जरूरी है। हमें चीजों को जटिल नहीं बनाना, जो टीम

बेहतर क्रिकेट खेलेगी वही जीतेगी।' उनका यह बयान साफ दर्शाता है कि टीम इंडिया की योजना जोखिम लेने से पीछे नहीं हटने वाली।

गुवाहाटी टेस्ट : पंत का नेतृत्व और भारत की जीत की उम्मीदें

पंत ने कहा कि उन्हें गुरुवार शाम को कप्तानी की जानकारी दी गई, और तब से वह पूरी तरह इसी चुनौती पर केंद्रित हैं। भारतीय टीम अब सीरीज़ में पीछे होने की स्थिति से उबरने के लिए नए कप्तान की रणनीति और ऊर्जा पर निर्भर होगी। भारत की नजर अब गुवाहाटी में मजबूत वापसी और सीरीज़ बराबर करने पर है जहां पंत का नेतृत्व निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

नकवी की आलोचान से कानूनी शिकंजे में फंसे राशिद लतीफ

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट में हमेशा विवाद छाये रहते हैं। इसी कड़ी में अब ८ पूर्व पाकिस्तानी कप्तान राशिद लतीफ को पाक बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी की नाराजगी भरी पड़ती जा रही है। लतीफ ने बार-बार टीमों के कप्तान बदले जाने पर नकवी की आलोचना की थी। जिसके बाद से ही वह कानूनी शिकंजे में फंसते जा रहे हैं। उनके खिलाफ राष्ट्रीय साइबर अपराध जांच एजेंसी (एनसीसीआईए) ने भी मामला दर्ज किया है। लतीफ से इस्लामाबाद और लाहौर में दो मामलों को लेकर पूछताछ भी हुई है। पीसीबी के वरिष्ठ कानूनी प्रबंधक सैयद अली नकवी की शिकायत पर लतीफ के खिलाफ ये जांच शुरू की गई है। लतीफ ने सोशल मीडिया में लिखा था, 'शाहीन शाह अफरीदी को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया गया है। फूट डालो और राज करो की नीति, धार्मिक, जातीय, क्रिकेट टीमों या वर्ग भेद जैसे भेदभाव पैदा करके और उनका फायदा उठाकर सत्ता हासिल करने और बनाए रखने की एक राजनीतिक रणनीति है। लतीफ ने यह भी कहा था कि पाकिस्तान एकमात्र ऐसा देश है जो एक अच्छा कप्तान भी नहीं बना सकता। लतीफ ने पाक की ओर से 37 टेस्ट और 166 एकदिवसीय में क्रमशः 1381 और 1709 रन बनाए हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम पर एक सट्टेबाजी ऐप को बढ़ावा देने के आरोप में एनसीसीआईए ने मामला दर्ज किया है।

राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ की एंट्री

टाइगर श्रॉफ ने अपने एक्शन से इंडस्ट्री में अलग छाप छोड़ी है। उनका यह हुनर उनकी फिल्मों में भी नजर आता है। टाइगर ने बागी फ्रेंजाइजी, हीरोपंती और वॉर के साथ एक्शन का एक एंपायर बनाया है। अब वे एक कदम और आगे बढ़ते हुए एक्शन में नया धमाल करते दिखेंगे। दरअसल, राम माधवानी की आगामी स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर लीड रोल अदा करने वाले हैं, जिसमें उनका धांसू एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग होगी यह फिल्म

टाइगर श्रॉफ ने निर्माता-निर्देशक राम माधवानी की आगामी फिल्म साइन की है। यह स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में टाइगर को एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जैसे वे पहले कभी नजर नहीं आए। महावीर जैन फिल्म्स और राम माधवानी फिल्म्स द्वारा इस फिल्म को प्रोड्यूस किया जाएगा। यह बॉलीवुड की पारंपरिक एक्शन फिल्मों से एक कदम आगे साबित होगी।

जापान में होगी शूटिंग

राम माधवानी की यह फिल्म सिर्फ भारतीयों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर इस फिल्म के लिए तैयारी में जुट गए हैं। कहा जा रहा है कि इसके प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा जापान में शूट किया जाएगा।

बाकी स्टारकास्ट के नाम फाइनल होने बाकी

फिलहाल टाइगर पहले अभिनेता हैं, जो इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। फिल्म के लिए फीमेल लीड और नेगेटिव रोल निभाने के लिए एक्टर की तलाश जारी है। इसके अलावा अन्य सपोर्टिव रोल के लिए भी कास्ट फाइनल होनी बाकी है। टाइगर इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिलहाल राम माधवानी और महावीर जैन, दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ फिल्म के पहले लुक पर काम कर रहे हैं, जिसे आधिकारिक घोषणा के साथ जल्द ही रिवील किए जाने की उम्मीद है।

राशा थडानी की लगी लॉटरी

महेश बाबू के भतीजे संग इश्क फरमाएंगी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने आजाद फिल्म से डेब्यू किया था और अब उन्हें तेलुगू फिल्म मिल गई है। महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के ऑपोसिट उन्हें साइन किया गया है। राशा ने अपना पोस्टर भी शेयर कर दिया है जिसे देख फैंस की एक्साइटमेंट चरम पर है।

इस साल की शुरुआत में बॉलीवुड अदाकारा रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपना सफर शुरू किया। उन्होंने अभिषेक कपूर की फिल्म आजाद से अजय देवगन और उनके भांजे अमन देवगन के साथ एक्टिंग की शुरुआत की। अपने प्यारे हाव-भाव, दमदार डायलॉग डिलीवरी और उई अम्मा गाने पर अपने कातिलाना अंदाज के लिए राशा जल्द ही सेंसेशन बन गईं। हाल ही में, वह मुंज्या फेम अभय वर्मा के साथ अपनी अगली फिल्म लइकी लइका की शूटिंग में व्यस्त हैं। और अब सोमवार की सुबह ही राशा ने अपने तेलुगू डेब्यू की घोषणा की, जिसमें वह सुपरस्टार महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

राशा थडानी को मिली तेलुगू फिल्म

राशा थडानी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी पहली तेलुगू फिल्म की घोषणा की, जिसका टाइटल फिलहाल प्र्व्ह्4 रखा गया है। वह फिल्ममेकर अजय भूपति के साथ काम करेंगी, जिन्होंने ऋ 100 (2018) का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म महेश बाबू के भतीजे जय कृष्णा घट्टामनेनी के साथ होगी। जय कृष्णा दिवंगत एक्टर रमेश बाबू के बेटे और दिग्गज अभिनेता कृष्णा के पोते हैं।

अदिति पोहनकर ने बॉबी देओल के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया

अभिनेत्री अदिति पोहनकर वेब सीरीज आश्रम में बॉबी देओल के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। एक्ट्रेस ने अभिनेता के साथ काम करने के अपने अनुभवों को साझा किया है। अदिति पोहनकर ने बताया, 'मुझे नहीं पता कि मैं कैसे कहूं कि मुझे अब बॉबी सर की याद आती है। आश्रम में काम करना अद्भुत था। मेरा मतलब है, वह बहुत अच्छे इंसान और अभिनेता हैं। उन्होंने आगे कहा, 'लगभग तीन साल तक हम सबने साथ में शूटिंग की है। बॉबी सर एक बहुत ही अच्छे और सच्चे इंसान और अभिनेता हैं। मुझे लगता है कि अब वह इस बात को और भी ज्यादा एक्सप्लोर कर रहे हैं।'अभिनेत्री ने आगे बातचीत में कहा, 'एक एक्टर के रूप में, आप बस यही करना चाहते हैं। आप एक ऐसी स्क्रिप्ट चाहते हैं जो कई रंग, कई परतें दिखा सके। मुझे लगता है कि आश्रम से आगे बढ़ने और जिद्दी इश्क जैसी चीज पाने की जरूरत थी। मुझे लगता है यह कुछ ऐसा था, जिसका मैं इंतजार कर रही थी, क्योंकि यह सीरीज उस लड़की की एक बहुत ही अलग, मासूम, युवा और कमजोर परिदृश्य को दर्शाती है।'

नेपोटिज्म से डेब्यू मिलता है सफलता नहीं

करीना कपूर खान अक्सर अलग-अलग मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। करीना जो कि खुद एक स्टार किड हैं लेकिन उन्होंने बॉलीवुड नेपोटिज्म के बारे में खुलकर अपनी राय साझा की है। दरअसल, एक्ट्रेस हाल ही में बरखा दत्त के शो वी द वीमेन के एक डिस्कशन में शामिल हुईं। यहां पर उन्होंने अपने प्रिविलेज पोजीशन पर बात की और बताया कि इंडस्ट्री में सर्वाइव करने के लिए कुछ चीजें जरूरी होती हैं। नेपोटिज्म के मुद्दे को एड्रेस करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- 'नेपोटिज्म आपको डेब्यू दिलाने में मदद कर सकता है, लेकिन ये लंबे करियर की गारंटी नहीं देता है। ऑडियंस की एक्सेप्टेन्स आपका करियर तय करता है, ना कि आपका फैमिली नेम।' वहीं, राजकपूर के पोता और डाइनिंग विद द कपूर्स के क्रिएटर अदार जैन ने इसी मुद्दे पर बात करते हुए कहा- 'लोग नेपोटिज्म के बारे में बात करते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई फायदा नहीं हुआ है। हां, मैं राज कपूर का पोता हूं और करीना व रणबीर कपूर का रिश्तेदार हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हर साल 50 फिल्मों में काम करूंगा या लगातार ब्रांड पार्टनरशिप और एड हासिल करूंगा। दुर्भाग्य से, इस सेंस में, मैं नेपोटिज्म का प्रोडक्ट नहीं रहा हूं।' करीना की वर्कफ्रंट करें तो उन्हें आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। पिछले साल उनकी द बकिंघम मर्डर्स और क्रू जैसी दो और फिल्में भी रिलीज हुई थीं। जल्द ही वो नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री डाइनिंग विथ द कपूर्स में दिखाई देंगी। यह डॉक्यूमेंट्री कपूर खानदान की फैमिली बॉन्डिंग और उनके खाने की विरासत को दिखाएगी। एक्ट्रेस साल 2026 में मेघना गुलजार की क्राइम ड्रामा फिल्म दायरा में दिखेंगी।

मनोज बाजपेयी पर बोले जयदीप अहलावत

दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी की अपकमिंग सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन अब रिलीज के लिए तैयार है। ये सीरीज 21 नवंबर को ओटीटी पर दस्तक दे रही है। उससे पहले सीरीज की स्टारकास्ट ने पीटीआई से बात की, जहां एक दूसरे के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। इस सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत भी नजर आने वाले हैं तो उन्हें कैसा लगा इस फ्रेंचाइज से जुड़कर, चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

मनोज के साथ काम करने पर बोले जयदीप

इंटरव्यू में बात मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के अनुभव को लेकर जयदीप ने कहा, मनोज भाई के काम को देखकर बहुत सारे एक्टर्स प्रेरणा ले चुके हैं। उन्होंने बहुत सारा ऐसा काम किया है जहां हर एक परफॉर्मेंस उनकी मास्टरक्लास है। इनको मैंने बताया भी था कि इनका एक डायलॉग है, बहुत लंबा सीन है वो। ये पूरी विधानसभा को संबोधित करते हैं। ये आसान नहीं है क्योंकि बहुत एनर्जी लगती है, लेकिन इन्होंने बहुत आसानी से उसे कर दिया।

मनोज बाजपेयी ने जयदीप पर क्या कहा?

जयदीप के साथ काम करने के अनुभव पर बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा, बहुत सारे लोग हम उसी रास्ते में एक दूसरे से सीखते रहते हैं। हमारे बीच गुरु शिष्य वाली कोई बात नहीं है।

द फैमिली मैन सीजन 3 श्रीकांत तिवारी के लिए एक नए और पहले से कहीं बड़े खतरे को लेकर आने वाला है। इस बार मुश्किलें सिर्फ देश पर ही नहीं, बल्कि उसके परिवार तक भी पहुंचने वाली हैं। श्रीकांत को उच्च-स्तरीय मिशनों के बीच अपने घरवालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी संभालनी होगी। आने वाले सीजन में दो नए और बेहद शक्तिशाली विलेन एंट्री करने वाले हैं- जयदीप अहलावत (रुक्मा) और निमरत कौर। दोनों किरदार श्रीकांत की राह और कठिन बनाते दिखाई देंगे। उनकी वजह से कहानी और गहरी, भावनात्मक और रोमांचक मोड़ लेने वाली है। फैमिली मैन सीजन 3 का ट्रेलर कुछ दिन पहले जारी किए गए द फैमिली मैन सीजन 3 के ट्रेलर में भरपूर एक्शन, सस्पेंस और मज़ेदार संवादों की झलक देखने को मिली। श्रीकांत तिवारी एक बार फिर अपने पुराने अंदाज़ में लौट आए हैं और दर्शकों को धमाकेदार मनोरंजन देने का वादा कर रहे हैं।

मस्ती 4 मेरे लिए टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है

एक्ट्रेस रुही सिंह की फिल्म 'मस्ती 4' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। खास बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि 'मस्ती 4' में प्रोड्यूसर इंद्र कुमार और डायरेक्टर मिलाप जावेरी जैसी टीम के साथ काम करना उनके लिए सपना सच होने जैसा था। यूके में हुई शूटिंग के अनुभव से लेकर कॉमेडी किरदार की तैयारी तक, हर कदम उनके लिए सीखने का मौका था। अपने माता-पिता, खासकर पिता के साथ गहरे रिश्ते को वह अपनी ताकत मानती हैं।

मस्ती 4 आपके लिए बड़ा मौका रहा। कैसे मिला और अनुभव कैसा रहा?
जब फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं बहुत खुश हुई क्योंकि इसे इंदु जी (इंद्र कुमार) बना रहे हैं और मिलाप जावेरी डायरेक्टर हैं। स्टार कास्ट भी शानदार है। मुझे लगा यह मेरे टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका है। शूटिंग यूके में हुई, और मैंने अपने रोल के लिए खूब तैयारी की। यह अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा।

आपने किरदार के लिए क्या तैयारियां की थीं?
यह एक कॉमेडी फिल्म है, इसलिए मैं चाहती थी कि मेरा अभिनय नेचुरल और दिल से हो। मैंने कई कॉमेडी फिल्मों को देखा और अपनी लाइनों पर खास ध्यान दिया कि मैं उसमें कुछ नया और मजेदार जोड़ सकूं। मेरा मानना है कि अगर आप कॉमेडी में कॉन्फिडेंट और आरामदायक होंगे तो एकदम फनी डायलॉग्स आसानी से आ जाते हैं, और मैंने यही अपने किरदार में लाने की कोशिश की।

आपकी शुरुआत मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिता से हुई। आपने कब सोचा कि इंडस्ट्री में करियर बनाना है? यह ख्याल कहां से आया?
मुझे बचपन से ही यह चाहत थी कि मैं कुछ बड़ा करूं। मैं जयपुर से हूं। बचपन में मैं स्टेज पर आना और लोगों के सामने नजर आना चाहती थी। मैं डांस और दूसरे कॉम्पिटिशन में हमेशा भाग लेती थी। जहां दूसरों को स्टेज पर डर लगता है, मुझे वहां आने में खुशी मिलती थी। मैं हमेशा बाहर रहना और लोगों के सामने दिखना चाहती थी। मुझे हमेशा मजा आता था और मैंने कभी सोचा नहीं कि लोग क्या सोच रहे हैं। पॉजिटिव सोच के साथ बिना किसी सपोर्ट के मेरी मेहनत रंग लाई और आज मेरे पास 'मस्ती 4' जैसी बड़ी फिल्म है।

तो आपने और आगे, जैसे मिस वर्ल्ड या मिस यूनिवर्स में हिस्सा क्यों नहीं लिया?
मैंने तीन बार इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को रिप्रेजेंट किया। मिस मॉडल ऑफ द वर्ल्ड, मिस यूनाइटेड नेशंस चाइना और मियामी में। कई पेजेंट्स कर चुकी हूं, फिर मधुर भंडारकर की फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' फिल्म में काम किया और सोचा, अब काफी हो गया। मेरे लिए पेजेंट्स का मकसद दुनिया देखना और एक्सपोजर पाना था। जयपुर से बाहर निकलकर अलग-अलग लोगों से मिलना चाहती थी। पहली बार विदेश भी इंडिया को रिप्रेजेंट करने ही गई थी, पापा भी साथ गए थे, जो मेरा सपना था।

मधुर भंडारकर से मुलाकात कैसे हुई थी?
मैं एक ऑडिशन में गई थी, वहीं मेरी मुलाकात मधुर भंडारकर से हुई। मैंने 'मयूरी चौहान' के लिए ऑडिशन दिया और वह मुझे उसी वक्त चुन लिया। उन्होंने कहा, 'हमें मिल गई मयूरी!' फिल्म 'कैलेंडर गर्ल्स' आने के बाद लोग आज भी मुझे मयूरी कहकर याद करते हैं।

फिल्म कैलेंडर गर्ल्स रिलीज हुई तो सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट कौन सा मिला? किससे मिला?
मेरे पेरेंट्स ने कहा कि मैं स्क्रीन पर बिल्कुल रूही जैसी लग रही थी, जैसे एक्टिंग नहीं की हो। ऑडियंस को भी मेरा काम बहुत पसंद आया। लोग अक्सर मेरी फिल्म की लाइन बोलते थे- 'यह लड़की बहुत आगे जाएगी'यह मुझे सबसे प्यारा कॉम्प्लीमेंट लगा।

आपको क्यों नहीं फिल्में ऑफर हुईं?
क्योंकि वो फिल्म नहीं चली। लेकिन मैंने पूरी मेहनत की थी और मधुर भंडारकर जी जैसे नेशनल अवॉर्ड विनर डायरेक्टर के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य था। फिल्म का चलना या न चलना किस्मत पर निर्भर करता है, किसी के हाथ में नहीं होता।

मेरी मम्मी मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं

मेरे पेरेंट्स का बहुत बड़ा साथ है, खासकर मेरी मम्मी, जो मेरी सबसे अच्छी दोस्त और इंस्पिरेशन हैं। मुझमें एक जिद है कि मैं अपनी मंजिल जरूर पाऊंगी।
स्कूल में लोग कहते हैं कि टॉप पर पहुंचना आसान नहीं होता है, लेकिन मैं मानती हूं कि एक दिन मेरा भी सबसे अच्छा वक्त आएगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।